RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 6 , अंकः188, बुधवार, 16 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

ग्रामीण क्षेत्रों मे प्रधानमंत्री सभा को लेकर उत्साह का माहौलः महाचंद्र प्रसाद सिंह 03

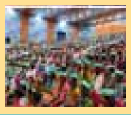
18 जूलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर बाल्मीकि नगर में एनडीए की ... 04

फिल्म सरफिरा को एक साल पूरे, एक्ट्रेस राधिका मदान बोलीं- समय... 07

बायोस्टिमुलेंट के मामले में कोई अनुमति देते वक्त किसानों की स्थिति का भी रखें ध्यानः शिवराज

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बायोस्टिमुलेंट की बिक्री को लेकर मंगलवार को एक बैठक में अधिकारियों को पारदर्शी तरीके से काम करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने बायोस्टिमुलेंट के मामले में अधिकारियों को हिदायत दी कि वे कोई भी अनुमति देते समय किसानों की स्थिति को ध्यान में रखें।

चौहान ने कृषि भवन में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में कहा कि हम देश के छोटे किसानों के साथ किसी भी हालत में अन्याय नहीं होने देंगे। कुछ बेईमान गड़बड़ियां कर रहे हैं, जिनसे किसानों को बचाना मेरी जिम्मेदारी है। भोले-भाले किसानों से शिकायतें मिलने के बाद चुप नहीं बैठा जा सकता, किसान सर्वोपरि हैं। देश का कृषि मंत्री होने के नाते उनकी जवाबदेही है कि इस संबंध में कार्रवाई हो। उन्होंने अनेक गंभीर सवाल उठाते हुए बैठक में अधिकारियों से कहा कि देश में बायोस्टिमुलेंट कई सालों से बिक रहा है और एक-एक साल करके इसकी बिक्री की अनुमति की अवधि बढ़ाई जाती रही है, लेकिन फील्ड से कई बार शिकायतें आती हैं कि इससे कोई फायदा नहीं है फिर भी ये बिक रहा है। चौहान ने कहा कि इसकी पूरी समीक्षा करना आवश्यक है कि इससे कितना फायदा किसानों को हो रहा है, यदि नहीं तो बेचने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। बिना अर्थ के हजारों कंपनियां इसकी बिक्री करने में लग गईं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि

बायोस्टिमुलेंट के इतिहास, आज की स्थिति, पंजीकृत उत्पादों की संख्या, बाजार में इसकी बिक्री को नियंत्रित करने के उपाय, सेम्पलिंग या टेस्टिंग की व्यवस्था है या नहीं, असली-नकली की पहचान के तरीके और गड़बड़ होने की स्थिति में कार्रवाई के लिए प्रावधान की पूरी जानकारी दें। चौहान ने कहा कि किसानों के भरोसे के लिए बायोस्टिमुलेंट का आईसीएआर से परीक्षण भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान हमारे लिए सर्वोपरि हैं, इसलिए यह देखा जाए कि किसानों के लिए ये तकनीकी रूप से कितने उपयोगी हैं। उन्होंने अधिकारियों के प्रति इस बात के लिए काफी नाराजगी व्यक्त की कि कुछ सालों तक 30 हजार बायोस्टिमुलेंट उत्पाद बिकते रहे और अधिकारियों द्वारा इसपर आपत्ति नहीं जताई गई। उन्होंने कहा कि गत 4 साल से करीब 8 हजार बायोस्टिमुलेंट बिकते रहे, जब मैंने इस बारे में सख्ती की तो अब तकरीबन 650 बायोस्टिमुलेंट ही बचे हैं।

कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि ऐसी लापरवाही ना बरती जाए, जिससे किसानों को नुकसान हो। उन्होंने विस्तार से समीक्षा की और पूरी जानकारी के साथ सख्त लहजे में मौजूद अफसरों से कहा वह कंपनियों की नहीं, किसानों की चिंता करें और किसान हित में काम करें। चौहान ने पूछा कि क्या कोई ऐसा डाटा है कि जिससे यह पता चले कि बायोस्टिमुलेंट से उत्पादन कितना बढ़ा है। शिवराज सिंह ने साफ शब्दों में कहा कि अब उन्हीं बायोस्टिमुलेंट को अनुमति दी जाएगी, जो सारे मापदंडों पर किसान हित में खरे उतरे हैं। वैज्ञानिक तरीके से प्रमाणित होने पर ही अब अनुमति दी जाएगी और इसकी पूरी जवाबदारी संबंधित अधिकारियों की रहेगी। चौहान ने इस संबंध में नियम-कायदे तय करते हुए एसओपी बनाने के निर्देश भी दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने की सभापति जगदीप धनखड़ से मुलाकात

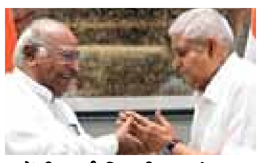

एजेंसी, नई दिल्ली : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 21 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र से पहले राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से मंगलवार को मुलाकात कर कहा कि विपक्ष सत्र को एक सार्थक रूप में देखना चाहता है। उन्होंने कई मुद्दों पर चर्चा की मांग की। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से मुलाकात के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया -विपक्ष 21 जुलाई से शुरू होने वाले राज्यसभा सत्र को एक सार्थक सत्र के रूप में देखना चाहता है।

6,388 तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना, अब तक 2.20 लाख ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर । अमरनाथ यात्रा जारी है पिछले 12 दिनों में 2.20 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। इसके साथ ही मंगलवार को जम्मू से 6,388 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था कश्मीर रवाना हुआ। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया मंगलवार को भगवती नगर यात्री निवास से 6,388 यात्रियों का एक और जत्था दो काफिलों में कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। पहला काफिला, जिसमें 103 वाहनों में 2,501 यात्री थे, सुबह 3:26 बजे बालटाल बेस शिविर के लिए रवाना हुआ।

कुतुबमीनार से 42 मीटर ऊंचे पुल, 32 टनल होकर गुजरेगी ट्रेन

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे पूर्वोत्तर के मिजोरम में ट्रेन का सफर शुरू करने जा रही है। रेलवे ने मिजोरम में सैरंग से बैरबी तक नई रेल लाइन बिछाई है। सैरंग आइजोल से करीब 21 किमी दूर है, वहीं, बैरबी असम सीमा के पास है। इस ट्रैक पर ट्रेन का ट्रायल पूरा हो चुका है। जल्द ही इस नए रेल रूट से ट्रेन चलना शुरू हो जाएंगी। इसके साथ ही आइजोल पूर्वोत्तर की चौथी राजधानी बन जाएगी, जो रेल लाइन से कनेक्ट हो जाएगी। यह ट्रैक करीब 51 किमी लंबा है, लेकिन इस छोटे सफर में यात्रियों को भरपूर आनंद मिलेगा। इस लाइन पर 32 टनल हैं। छोटे-बड़े मिलकर 87 ब्रिज और अंडरपास हैं।

दिल्ली समेत देश के कई इलाकों में भारी बारिश, आंधी-तूफान का अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली सहित देश के कई इलाकों में भारी बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। इस दौरान आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में उमस और गर्मी से लोगों को परेशान होना पड़ सकता है। आईएमडी के अनुसार आज शाम से रात तक छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है, जबकि कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की भी संभावना है। वहीं बिहार, असम, मेघालय, झारखंड, पश्चिम बंगाल के मैदानी क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और ओडिशा में भी कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश के आसार हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, केरल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, तमिलनाडु, पुडुचेरी और सिक्किम जैसे राज्यों और केंद्रशासित

प्रदेशों में भी भारी बारिश की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान की चेतावनी भी जारी की गयी है। खासतौर पर बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कई हिस्सों में बिजली गिरने के साथ-साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। आंध्र प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, विदर्भ और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान है। अंडमान-निकोबार, ओडिशा, बंगाल, आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक के कुछ इलाकों में तेज सतही हवाएं चल सकती हैं। आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में उमस और गर्मी से लोगों को परेशान होना पड़ सकता है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के कई इलाकों में 40 से 65 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। खासकर गुजरात, कोंकण, गोवा, लक्षद्वीप, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के समुद्री तटों पर मछुआरों और समुद्री यात्रियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

पाकिस्तान के पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बरसात से तबाही, 15 की मौत

एजेंसी, इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मानसून की बारिश ने कहर बरपाया। आंधी-पानी और बाढ़ से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अकेले पंजाब प्रांत में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 62 घायल हो गए। खैबर पख्तूनख्वा में छह लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, दोनों प्रांतों में सोमवार को काले बादलों ने आसमान को चीर दिया। मूसलाधार बारिश से अधिकांश इलाके जलमग्न हो गए। छतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं। पिछले 24 घंटों में अकेले पंजाब में कम से कम नौ लोगों की जान चली गई। रावलपिंडी से राजनपुर और उसके आगे बाढ़ जैसा नजारा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जून के अंत से अब तक देशभर में मानसून से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या 111 हो गई है।

झारखंड में एक माह में ही हुई 527 मिमी बारिश

एजेंसी, रांची

झारखंड में दक्षिणी पश्चिमी मानसून के लगभग एक मन में ही 527.6 मिलीमीटर से बारिश रिकॉर्ड की गई है। जबकि बरसात का मौसम शेष बचा हुआ है। राज्य में इस अवधि तक 326 मिमी बारिश होती है। राज्य में सामान्य से 62 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। झारखंड में सबसे अधिक बारिश पूर्वी सिंहभूम में हुई है। यहां अब तक 925.5 मिमी बारिश हुई है जो सामान्य से 153 प्रतिशत अधिक है। वहीं राजधानी रांची में 799 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है जो सामान्य से 138 प्रतिशत अधिक है। वहीं राज्य के जिन जिलों में सामान्य से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है उनमें पश्चिमी सिंहभूम में 81मिमी, सिमडेगा में 70, सरायकेला-खरसावां में 121, रामगढ में 113, लोहरदगा में 48, लातेहार में 116, बोकारो 74, चतरा में 64, धनबाद में 73, खूंटी में 61, जामताड़ा में 46, गुमल में 39, हजारीबाग में 36 और कोडरमा में 27 प्रतिशत सामान्य से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है। इधर पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के मनोहरपुर में 82 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई है। वहीं , इस दौरान राजधानी रांची में 13 मिमी बारिश हुई है। मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में तड़के सुबह से जोरदार बारिश हुई हालांकि बाद में बारिश रुक गई, लेकिन आसमान में काले बादल छाया रहा।

बिहार कैबिनेट में पांच वर्ष में एक करोड़ नौकरी देने सहित 30 प्रस्तावों पर मुहर

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में अगले पांच सालों में 1 करोड़ नौकरी देने के लक्ष्य सहित कुल 30 प्रस्तावों पर मुहर लगी। पटना स्थित पुराने सचिवालय में हुई कैबिनेट की बैठक में 30 अहम प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुहर लगाई है। इसके तहत अगले पांच सालों में 1 करोड़ नौकरी देने के लक्ष्य को कैबिनेट से मंजूरी दी गई है। बिहार में चल रहे विशेष मतदाता पुनरीक्षण में लगे बीएलओ और सुपरवाइजर को सरकार 6000 रुपये एकमुश्त अतिरिक्त मानदेय देगी इस

प्रस्ताव को भी कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दी। बिहार सरकार वर्ष 2025 से 2030 के दौरान पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरी और रोजगार देगी।

नई नौकरी और रोजगार सृजन के लिए सरकार को परामर्श देने के लिए विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित किया जाएगा। इसके लिए कुल 12 सदस्य इसमें बनाए गए हैं। इसके अलावा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य हेतु 77895 बीएलओ और 8245 बी एलओ सुपरवाइजर को वार्षिक मानदेय के अतिरिक्त एकमुश्त मान देय 6000 रुपये देने के लिए 51 करोड़ 68 लाख 40000 रुपये की स्वीकृति दी गई है। बिहार कैबिनेट की बैठक में चार डॉक्टरों को बर्खास्त करने को लेकर भी निर्णय लिया गया है। इसके तहत लखीसराय में पोस्टेड डॉक्टर कृतिका सिंह, डॉ कृति किरण, बेगूसराय में पोस्टेड डॉक्टर चंदना कुमारी और जमुई में तैनात डॉक्टर निमीषा रानी को सरकारी सेवा से बर्खास्त करने का फैसला लिया गया है। इन सभी को लगातार अनुपस्थित रहने की वजह से सरकारी सेवा से बर्खास्त किया गया है। पटना की ही तरह भागलपुर और मुंगेर में गंगा पर परियोजना मंत्रिमंडल ने अपनी मंजूरी दी है। इसके तहत भागलपुर में सुल्तानगंज-भागलपुर-सबोर के बीच 40.80 किलोमीटर लंबा पथ बनेगा।

ट्रंप ने पुतिन को चेताया कहा- 50 दिन में युद्ध खत्म करो, वरना ठोंक देंगे 100 प्रतिशत टैरिफ

यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइलें देगा अमेरिका

यूक्रेन और रूस के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल कीथ केलॉग ने सोमवार को कीव में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। डोनाल्ड ट्रंप ने यह पुष्टि की है कि अमेरिका यूक्रेन को रूस के तेज होते हवाई हमलों से बचाने के लिए कीव को अमेरिका-निर्मित पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलें भेज रहा है।

एजेंसी, वॉशिंगटन

रूस और यूक्रेन का युद्ध लंबे समय से चल रहा है। कई बार शांति के प्रयास हो चुके हैं। इस बार अमेरिका ने रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दो टूक कह दिया है कि 50 दिन के भीतर जंग खत्म करो वरना 100 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। ट्रंप ने कहा कि वह केवल इतना चाहते हैं कि युद्ध खत्म हो जाए। रूस को भी युद्ध छोड़कर व्यापार पर फोकस करना चाहिए। नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट से ओवल ऑफिस में बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने यह बात कही है। ट्रंप ने कहा, रूस अगर मेरी बात नहीं सुनता है तो उसे दुनियाभर में अलग-थलग करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। रूस के आर्थिक सहयोगियों पर भी अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यूरोप का मजबूत रहना जरूरी है। ऐसे में अगर यूरोपीय देश अमेरिका से सैन्य उपकरण खरीदते हैं और यूक्रेन को ट्रांसफर करते हैं तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

अंतरिक्ष से धरती पर लौटे शुभांशु शुक्ला

- 18 दिन बाद हुई वापसी, सफल वापसी पर भारत में मना जश्न

एजेंसी, कैलिफ़ोर्निया/लखनऊ

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की धरती पर सफल वापसी के साथ ही भारत के अंतरिक्ष अभियानों के इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु और एक्सिओम-4 मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर सफल 18 दिवसीय प्रवास के बाद सुरक्षित पृथ्वी पर लौट आए हैं। उनका डैगन अंतरिक्ष यान अमेरिका के

कैलिफ़ोर्निया तट के पास प्रशांत महासागर में सफलतापूर्वक स्प्लैशडाउन (पानी में उतरना) हुआ। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और वाणिज्यिक ‘एक्सिओम-4 मिशन’ के उनके तीन अन्य साथी मंगलवार को पथ्वी पर सकशल वापस लौट आए हैं। ड्रैगन ‘ग्रेस’ अंतरिक्ष यान दक्षिणी कैलिफोर्निया में सैन डिएगो के नजदीक समुद्र में सफलतापूर्वक उतरा है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन के प्रवास उपरांत अंतरिक्ष यात्रियों ने पथ्वी पर लौटने से पहले 22.5 घंटे की यात्रा की। शुभांशु शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिटसन, और मिशन विशेषज्ञ पोलैंड के स्लावोज़ उज्नान्स्की-विस्नीवस्की और हंगरी के टिबोर कापू को लेकर अंतरिक्ष यान सोमवार को भारतीय समयानुसार शाम 4:45 बजे अंतरिक्ष स्टेशन से पृथक हुआ था और मंगलवार 3.01 बजे धरती पर वापसी हो गई। स्पेसएक्स ने सोशल मीडिया प्लेट फार्म ‘एक्स’ पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि ड्रैगन के उतरने की पुष्टि हो गई है, पृथ्वी पर आपका स्वागत है। हम वापस आकर बेहद खुश हैं। इससे पहले स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल ने चारों पैराशूट खोलते हुए जब सागर में सटीक लैंडिंग की, तब मिशन की कमांडर पैगी व्हिटसन ने कंट्रोल सेंटर से कहा, धरती पर वापस आना हमेशा खास होता है। यह अनुभव अविस्मरणीय था। स्पेश यात्री शुभांशु शुक्ला, उत्तर प्रदेश के लखनऊ से ताल्लुक रखते हैं। उनके वापस लौटते ही पूरे शहर और देश में गर्व और उत्साह की लहर दौड गई।

पश्चिम कोसी नहर के विस्तार से खुशहाल होंगे बिहार के किसान : संजय कुमार झा

एजेंसी, पटना

राज्यसभा सदस्य और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम कोसी नहर के विस्तार से बिहार के किसान खुशहाल होंगे। राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा मिथिला में पश्चिमी कोसी नहर के विस्तारीकरण, पुनर्स्थापन एवं आधुनिकीकरण की 8,678.29 करोड़ रुपये (प्राइस लेवल जून 2025) की महत्वाकांक्षी परियोजना को आज राज्य मंत्रिमंडल की ओर से मंजूरी मिलने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और इस परियोजना में केंद्र सरकार की ओर से वित्तीय सहयोग के फैसले के लिए प्रधानमंत्री के प्रति

आभार जताया है। संजय कुमार ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत कुल 741 किलोमीटर लंबी नहरों की सीमेंट-कंक्रीट लाइनिंग की जाएगी। नहर पक्की हो जाने से मधुबनी और दरभंगा जिले में रबी और खरीफ दोनों फसल सीजन में यानी सालोभर बिना किसी रुकावट के नहरों के अंतिम छोर तक सिंचाई के लिए पर्याप्त जल पहुंचेगा।

संक्षिप्त समाचार

काजल राघवानी की फिल्म 'वैदेही' का ट्रेलर लॉन्च, 18 जुलाई को थियेटर में होगी रिलीज

पटना। भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री काजल राघवानी एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल करती नजर आने वाली हैं। उनकी फिल्म "वैदेही" 18 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इससे पहले आज उनकी फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया, जिसमें फिल्म की प्रमुख कास्ट और मेकिंग टीम मौजूद रही। फिल्म की कहानी एक ऐसी नारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने संस्कार, संघर्ष और स्वाभिमान से पूरे समाज के लिए एक मिसाल बन जाती है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अभिनेता प्रकाश जैश ने कहा कि यह फिल्म सामाजिक सरोकार और पारिवारिक मूल्यों पर आधारित है, जो महिला प्रधान फिल्म है। उन्होंने दर्शकों से फिल्म को परिवार के साथ देखने की अपील भी की। ऐसी फिल्में बड़ी मेहनत से बनती है। इस फिल्म में एक आदर्श बहू, बेटी और स्त्री की भूमिका में हैं, जो पारिवारिक मर्यादा और आत्मसम्मान को केंद्र में रखती हैं। उनके अभिनय में भावनाओं की गहराई और संवाद अदायगी की सशक्तता स्पष्ट रूप से दिखती है। फिल्म का हर दृश्य दर्शकों को नारी शक्ति का एहसास कराता है। 18 जुलाई को जब यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म "वैदेही" केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी है। यह परंपरा और आधुनिक सोच के संतुलन को प्रस्तुत करती है और उन दर्शकों के लिए खास है जो परिवार केंद्रित और भावनात्मक सिनेमा से जुड़ाव रखते हैं। इस फिल्म का निर्देशन और लेखन वीरू ठाकुर ने किया है, जबकि निर्माण की जिम्मेदारी अरुण पाण्डेय ने निभाई है। काजल राघवानी के ऑपोजिट नवोदित मनीष तिवारी हैं।

अवैध हथियार तस्करी का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार, मुख्य आरोपी का पूरा परिवार धंधे में था लिप्त

पटना। पटना के बिहटा में पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पटना एसटीएफ, टेक्निकल सेल और बिहटा की पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह के अनुसार, पुलिस को नौबतपुर, बिहटा और रानी तालाब इलाके में अवैध हथियारों की तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बिहटा थाना क्षेत्र के घोड़ाटॉप इलाके से मुख्य आरोपी सोनू कुमार को गिरफ्तार किया। सोनू कुमार की निशानदेही पर पुलिस ने 80 जिंदा कारतूस और चार मोबाइल फोन बरामद किए। साथ ही चार अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। इन आरोपियों की पहचान दिलीप कुमार, सुमित कुमार, रंजीत कुमार और महेश राय के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला कि सोनू इन लोगों को हथियार और कारतूस बेचा करता था। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि सोनू का पूरा परिवार अवैध हथियार और कारतूस के कारोबार में संलिप्त था। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। वहीं, दूसरे मामले को लेकर पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पटना एसटीएफ और रेल पुलिस की सूचना मिल रही थी कि बिहटा में एक अपराधी सीमांचल एक्सप्रेस को लूटने की साजिश कर रहा है, जिसके बाद दानापुर डीएसपी 2 के नेतृत्व में एसटीएफ और रेल पुलिस के साथ बिहटा पुलिस ने कार्रवाई की। बिहटा थानाक्षेत्र के श्रीरामपुर गांव के वार्ड नंबर 5 से अंकित पांडे उर्फ अनिकेत कुमार को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से एक देसी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस बरामद किया गया। एक स्कूटी भी मिली है। इसके अलावा तीन मैगजीन को भी पुलिस ने मौके से बरामद किया था। फिलहाल 6 अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। सभी अपराधियों से पूछताछ की जा रही है।

सोने की चेन-अंगूठी के लिए विवाहिता की हत्या, वैशाली में परिजन बोले-गला दबाकर ले लिया जान

हाजीपुर। वैशाली में विवाहिता का दहेज-हत्या का मामला सामने आया है। मंगलवार की सुबह ग्रामीण की सूचना पर परिजन जब ससुराल पहुंचे तो घर वाले फरार थे। चौकी पर महिला का शव पड़ा था। घटना पातेपुर प्रखंड के भेरोखड़ा गांव की वार्ड नंबर-4 की है। मृतका की पहचान विपिन साह की पत्नी संगीता कुमारी (23) के रूप में है। संगीता की शादी विपिन साह से 2020 में हुई थी। दंपती की एक तीन वर्षीय बेटी है। मृतका की मां ने बताया कि उनकी बेटी से दहेज में सोने की चैन और अंगूठी की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न होने पर उसकी हत्या कर दी गई। मृतका का पति विपिन किसी कंपनी में काम करता है। घटना के बाद आरोपी पति विपिन साह, ससुर जयनारायण साह समेत सभी ससुराल वाले फरार हो गए। मृतका का मायका महुआ थाना क्षेत्र के शर्मा गांव में है। मृतका की भाभी कृष्णा देवी ने बताया कि शादी के बाद से ही दहेज की मांग की जा रही थी। देने में असमर्थ होने पर मारपीट की जाती थी। बीती रात गला दबाकर हत्या कर दी गई। आरोपी 3 साल की बच्ची को भी साथ ले गए हैं। पातेपुर थाना अध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। लिखित शिकायत मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

मेयर के बेटे ने जारी किया वीडियो, बोला-पटना में हूं, गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने झारखंड में ससुराल में की रेड

पटना। पटना मेयर सीता साहू के बेटे शिशिर को पुलिस झारखंड में ढूंढ रही है। सोमवार को उसका एक वीडियो सामने आया है। इसमें वो कह रहा है कि 'प्रशासन जो कार्रवाई कर रहा है, वह बिल्कुल गलत है। मैं अनुरोध करता हूं कि सीसीटीवी फुटेज और मीटिंग का फुटेज जांच कर लें।' 'यह नीतीश जी की सरकार है, किसी के दबाव में मत आइए। पहले आप जांच कर लीजिए, मैं आपके शहर में मौजूद हूं। जब आपका आग्रह होगा, मैं आपके सामने हाजिर हो जाऊंगा। पटना नगर निगम में भ्रष्टाचार नहीं चलेगा।' पटना नगर निगम की मेयर सीता साहू के बेटे शिशिर कुमार को गिरफ्तार करने के लिए पटना पुलिस कार्रवाई शुरू कर दी है। पटना पुलिस की टीम शिशिर की ससुराल झारखंड के गिरिडीह जिले के बगोदर में सोमवार की सुबह छापेमारी की थी। झारखंड पुलिस के साथ पटना पुलिस ससुराल की तलाशी ली, लेकिन शिशिर वहां नहीं मिले। पुलिस वहां से बैरंग लौट गई। शिशिर के खिलाफ तीन दिनों पहले गांधी मैदान थाने में वार्ड पार्षद को धमकाने और मारपीट करने का केस दर्ज हुआ था। इस केस में पटना पुलिस की टीम उसके आलमगंज थाना के महाराजगंज स्थित घर पर भी छापेमारी की थी, जहां शिशिर नहीं थे। हालांकि, स्थानीय लोगों ने पुलिस की छापेमारी का विरोध किया था। पटना के गांधी मैदान थाने की पुलिस शिशिर के घर पर पहुंची तो वो नहीं मिले। फिर उनकी मां सीता साहू और परिजनों से पूछताछ की गई तो किसी ने कुछ नहीं बताया। पुलिस ने शिशिर के मोबाइल का लोकेशन निकाला तो पता चला कि वह झारखंड के बगोदर में है। इसके बाद पुलिस की टीम बगोदर रेड करने पहुंची

बंद घर से जेवर समेत 5 लाख की चोरी

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के दिलावरपुर गोवर्धन वार्ड-13 में चोरी की घटना सामने आई है। चोरी राज किशोर सिंह के घर में हुई। चोरों ने घर के पिछले दरवाजे से प्रवेश कर सभी ताले तोड़ दिए ।घटना 10 जून से 14 जुलाई के बीच की है। राज किशोर को घटना की जानकारी 14 जुलाई को उनके भतीजे विवेक कुमार से फोन पर मिली। चोरों ने घर से सैमसंग एलईडी टीवी, इन्वर्टर, जेवर और बर्तन समेत लगभग 5 लाख रुपए के सामान चुरा लिए। चोरों ने कील लगी दीवार पर लकड़ी रखी और इस तरह घर में प्रवेश किया। घटना के समय घर में कोई नहीं था। राज किशोर अपनी पत्नी के साथ रायगढ़ में थे। उनके बेटे सूर्यभूषण सिंह की 8 जून को बाइक दुर्घटना हो गई थी। वह जिंदल कंपनी में डाटा इंजीनियरिंग ऑपरेटर के रूप में काम करते हैं। सूचना मिलते ही राज किशोर 15 जुलाई को घर पहुंचे। पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। 112 की टीम मौके पर पहुंच गई है। बिदुपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज करा दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बालू कारोबारी रामाकांत यादव के मर्डर में इस्तेमाल हथियार बरामद

हत्या करने वाले नाबालिग शूटर की हुई पहचान, गिरफ्तारी अब तक नहीं हुई

एजेंसी, पटना

रानीतालाब थानाक्षेत्र के धाना गांव में बालू कारोबारी रामाकांत यादव की हत्या के मामले में पुलिस ने हथियार बरामद कर लिया है। शूटर की पहचान कर ली गई है। जांच में पता चला है कि गोली चलाने वाला एक नाबालिग है। 10 जून को बगीचे में टहलने के दौरान पैदल आ रहे एक युवक ने गोली मार दी थी। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से पुलिस ने शूटर का स्केच तैयार कराया। इसी आधार पर चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

गांव में ही छापेमारीः इधर पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह के निर्देश पर पालीगंज डीएसपी प्रीतम कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। हत्या के दो दिन बाद पुलिस ने धाना गांव से रामकुमार यादव को गिरफ्तार किया है। उसके घर से एक देशी पिस्टल बरामद की गई है। पुलिस को आशंका है कि इसी पिस्टल से हत्या की गई है। इधर स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया था कि हमलावर नाबालिग जैसा दिख रहा था। पुलिस जांच में यह बात सही पाई गई है। पुलिस जल्द ही नाबालिग शूटर को हिरासत में लेकर मामले का खुलासा करेगी।

जनपारा में बालू घाट को लेकर विवादः हालांकि, हत्या को लेकर मृतक रामाकांत यादव के पुत्र अभिषेक कुमार ने रानीतालाब थाना में सैदाबाद पंचायत के मुखिया पति अंजनी सिंह और उसके भाई पवन कुमार के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। बताया गया था कि जनपारा गांव में बालू घाट को लेकर कई सालों से विवाद चल रहा है। इसी को लेकर साजिश के तहत हत्या की आशंका जताई गई थी। हालांकि, गांव से जुड़े सूत्रों का कहना है कि घर में भी काफी सालों से संपत्ति और जमीन का विवाद चल रहा है। 15 साल पहले रामाकांत यादव के भाई उमाकांत यादव की भी गोली मार कर हत्या की गई थी। उस वक्त हत्या के पीछे संपत्ति और जमीन का विवाद सामने आया था। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपी को गिरफ्तार जेल भेजा था। लेकिन, जेल से बाहर आने के बाद कई आरोपी की मौत हो चुकी है।

गांव में डर का माहौलः पुलिस बालू घाट और घरेलू विवाद एंगल से जांच शुरू की है। हत्या के बाद एक बार फिर परिवार और गांव में डर का माहौल बना हुआ है। 5 दिन बीतने के बाद भी अब तक पुलिस के तरफ से कोई मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसके खिलाफ सोमवार को आक्रोश मार्च निकाला गया था। सरकार ने प्रशासन के विरोध में जमकर नारेबाजी भी की थी।

खेमका का शूटर बोला-आजतक मैंने एक चींटी भी नहीं मारी

एजेंसी, पटना

गोपाल खेमका मर्डर केस के शूटर उमेश राय और सुपारी देने वाले अशोक साव से पुलिस की पूछताछ जारी है। 24 घंटे में दोनों की रिमांड खत्म होने वाली है। मुख्यालय की टीम, STF और पटना पुलिस अलग-अलग तरीके से उससे पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है। हालांकि उनके पूछे जा रहे सारे सवालों के जवाब कॉमन हैं। अशोक साव का कहना है कि उसका गोपाल खेमका हत्याकांड से कोई लेना-देना नहीं है। उसने हत्या नहीं कराई है। उमेश उसका नाम गलत ले रहा है। वहीं, उमेश ने पूछताछ में जुर्म कबूला है। यह कह रहा कि,'मैंने आज तक चींटी तक नहीं मारी है'। 16 तारीख को रिमांड खत्म हो जाएगी और दोनों न्यायिक अभिरक्षा में चले जाएंगे।

लाइनर अशोक का कॉलेज छात्रा संग कनेक्शन खंगाल रही पुलिस, तबीयत बिगड़ने के डर से सख्ती नहीं

अशोक साव के मोबाइल से एक नंबर मिला है। जो किसी कॉलेज की छात्रा का है, जिससे वो अक्सर बातचीत करता था। पुलिस अब इस नंबर के आधार पर जांच कर रही है कि उस छात्रा और अशोक साव के बीच क्या कनेक्शन रहा है। अशोक साव के मेडिकल कंडीशन को देखते हुए पुलिस सख्ती से कुछ भी नहीं पूछ पा रही है। बातचीत में जो भी सवाल है, वो पूछ पा रही, सबका जवाब अशोक एक जैसा ही दे रहा है। खुद को निर्दोष साबित करने पर तुला है। पुलिस वाले भी इस बात का ख्याल रख रहे हैं कि कहीं अशोक की तबीयत ना बिगड़ जाए। SSP कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि पूछताछ के दौरान बहुत सारी जानकारी सामने आई है। घटना में संलिप्त थे दोनों, इसके टेक्निकल एविडेंस पुलिस के पास हैं। SSP से कई सारे सवाल पूछे गए, जिसमें दोनों के बीच क्या विवाद था, जिस महिला का नाम सामने आ रहा है, उसका इस हत्या से क्या कनेक्शन है? SSP दोनों सवालों का जवाब ये कहते हुए टाल गए कि यह अभी पूछताछ चल रही है। ये सब चीजें अनुसंधान के पार्ट हैं।

पटना के स्कूल में 13 साल के छात्र की मौत

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के चौक थाना क्षेत्र स्थित मारवाड़ी मध्य स्कूल में मंगलवार को 13 साल के छात्र की मौत हो गई। बताया जा रहा कि स्कूल में आयोजित दौड़ प्रतियोगिता के दौरान छठी क्लास के छात्र साहिल कुमार ठोकर लगी थी। ठोकर लगने से वह गिरकर बेहोश हो गया। स्कूल प्रशासन ने तुरंत उसे पास के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। वहां के डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया।

इलाज के दौरान बच्चे ने तोड़ा दमः स्कूल प्रशासन ने साहिल के परिजनों को घटना की सूचना दी। परिजन अस्पताल पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान साहिल की मौत हो गई। परिवार ने चौक थाने में इसकी सूचना दी।

थाना प्रभारी दुष्यंत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्रथम दृष्टया मामला एक दुर्घटना का लग रहा है। पुलिस स्कूल के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। विद्यालय के प्राचार्य चितरंजन कुमार ने बताया कि स्कूल में बच्चों के लिए एक छोटी दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

कुएं में मिली इंश्योरेंस कंपनी के मैनेजर की लाश, 30 फीट गहरे कुएं में बॉडी के ऊपर पड़ी थी स्कूटी

एजेंसी, पटना

पटना में 2 दिन से लापता ICICI लोम्बार्ड के मैनेजर अभिषेक वरुण की कुएं में लाश मिली है। बॉडी पटना के बेऊर इलाके में कुएं से मिली है। कुएं से थोड़ी दूर अभिषेक की चप्पल पड़ी मिली है। अभिषेक का शव 30 फीट सूखे कुएं में पड़ा था। उनकी बॉडी के ऊपर स्कूटी पड़ी हुई थी। अभिषेक पटना के मलाहीपकड़ी के रहने वाले थे। रविवार को वे अपनी पत्नी और बच्चों के साथ एक दोस्त की एनिवर्सरी में गए थे। इसके बाद उन्होंने परिवार को वहां से अकेले भेज दिया। पत्नी से कहा कि तुम लोग आओ। मैं अपने दोस्त के साथ आता हूं। पत्नी ने पुलिस को बताया कि रात 11 बजे के आसपास उनका फोन आया और कहा मेरा एक्सीडेंट हो गया है।

पत्नी से कहा था- मेरा एक्सीडेंट हो गया हैः अभिषेक की पत्नी ने पुलिस को बताया कि रविवार रात 12 बजे उनका फोन आया था। उन्होंने कहा था कि मेरा एक्सीडेंट हो गया है। इसके बाद से उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था।

पुलिस बोली- सबूत हादसे की ओर इशारा कर रहे हैंः फुलवारी के DSP सुशील कुमार ने बताया- '13 जुलाई को वह (अभिषेक वरुण) एक पार्टी में गए थे और रात करीब 10 बजे दोपहिया वाहन से कार्यक्रम स्थल से रवाना हुए थे।' 'अपने परिवार को आखिरी बार कॉल करने पर उन्होंने बताया था कि उनका दोपहिया वाहन उनके ऊपर गिर गया है और उनके चारों ओर दीवारें थीं। गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया है। प्रथम दृष्टया यह एक दुर्घटना लग रही है।' ASP पटना सदर ने कहा बताया- 'पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। CCTV फुटेज में वह अकेले दोपहिया वाहन चलाते हुए दिखाई दे रहे थे और कोई उनका पीछा नहीं कर रहा था। अपने परिवार को आखिरी कॉल में उन्होंने बताया था कि उनका एक्सीडेंट हो गया है।' 'ऐसा प्रतीत होता है कि वह दोपहिया वाहन समेत कुएं में गिर गए थे। उनकी चप्पलें और रूमाल यहां से 100 मीटर दूर मिले हैं। मैं सभी से अपील करता हूं कि कोई भी अफवाह न फैलाएं।"

राजस्व भूमि सुधार विभाग ने लॉन्च किया नया पोर्टल, भूमि सर्वेक्षण में होगी आसानी

एजेंसी, पटना

बिहार में भूमि सुधार से जुड़े कार्यों को पारदर्शी और सुगम बनाने की दिशा में आज एक बड़ा कदम उठाया गया। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने मंगलवार को एक विशेष पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग भूमि सर्वेक्षण से जुड़ी सभी जानकारियां और दस्तावेज ऑनलाइन देख सकेंगे। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सारावगी ने इस पोर्टल को लॉन्च करते हुए कहा, "यह विभाग का महत्वपूर्ण प्रयास है। भूमि सुधार को लेकर हमारी सरकार लगातार काम कर रही है। आज जिस पोर्टल का उद्घाटन किया गया, वह सर्वेक्षण कार्य को गति देने के साथ-साथ लोगों को घर बैठे पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराएगा।"

अपने क्षेत्र का नक्शा ऑनलाइन देख सकेंगे लोगः मंत्री ने कहा कि इस पोर्टल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि लोग यहां जाकर अपने आवेदन की स्थिति से लेकर भूमि सर्वेक्षण की हर गतिविधि को देख सकते हैं। साथ ही, पोर्टल पर नक्शा भी अपलोड किया गया है, जिससे लोग अपने क्षेत्र का नक्शा ऑनलाइन देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि अब लोगों को कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। पोर्टल से पारदर्शिता तो बढ़ेगी ही, साथ ही काम की रफ्तार भी तेज होगी।

भूमि विवाद में भी आएगी कमीः संजय सारावगी ने कहा, "यह पोर्टल एक डिजिटल क्रांति जैसा है। हम चाहते हैं कि बिहार के हर नागरिक को भूमि से जुड़ी जानकारी समय पर और सही तरीके से मिले। सर्वे का कार्य राज्य के विकास के लिए बेहद अहम है। इससे भूमि विवाद भी कम होंगे और लोगों का भरोसा सरकार पर मजबूत होगा।" गौरतलब है कि बिहार सरकार भूमि सर्वेक्षण का कार्य तेजी से पूरा करने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग कर रही है। पोर्टल लॉन्च होने से न सिर्फ काम आसान होगा, बल्कि आम जनता को भी लाभ मिलेगा। विभाग का दावा है कि इसके जरिए राजस्व व भूमि सुधार विभाग की पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों बढ़ेंगी।

♦ **मंत्री संजय सारावगी बोले- अब ऑफिस आने की जरूरत नहीं पड़ेगी**

पटना में बारिश से लोगों को गर्मी से मिली राहत

एजेंसी, पटना

पटना में आज सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए हुए थे। उमस भरी गर्मी के बीच लोगों को बारिश का इंतजार था। राजधानी के बोरिंग रोड, कंकड़बाग, शिवपुरी, नाला रोड समेत कई इलाकों में तेज बारिश हुई है। कई मोहल्लों में हल्का जलजमाव भी हुआ है।

इस मानसून सीजन में पहली बार पटना में इतनी तेज और लगातार बारिश देखने को मिल रही है। तेज बारिश के कारण पटना के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की कमी आई है, इससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली है।

♦ **बोरिंग रोड, गर्दनीबाग में तेज बारिश, तापमान में करीब 3 डिग्री तक गिरावट**

भारी बारिश में घर से नहीं निकलने की अपीलः मौसम विभाग ने अगले तीन घंटों के दौरान पटना में और बारिश होने की संभावना जताई है। विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। भारी बारिश के दौरान घरों से बाहर निकलने पर सतर्क रहने को कहा गया है।

पोस्टर में लिखा- बिहार में गुंडा राज, कारोबारियों पर कहर

एजेंसी, पटना

बिहार में हर रोज अपराध के नए मामले सामने आ रहे हैं। इस बीच पटना के चौक चौराहों पर गुंडा राज के पोस्टर लगाए गए हैं, जिसमें कारोबारियों पर कहर का जिक्र है। इसमें गोपाल खेमका हत्या कांड से लेकर अन्य व्यापारियों और कारोबारियों के साथ हुई हत्या की जानकारी दी गई है। इस पोस्टर में पीएम मोदी, सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की फोटो पोस्टर के बीचों बीच लगाई गई है और उसके चारों तरफ बिहार में हाल में हुए 8 हत्याकांडों का तारीख के साथ जिक्र किया गया है।

गोपाल खेमका हत्याकांड का जिक्रः सबसे पहले मशहूर उद्योगपति गोपाल खेमका का नाम इस पोस्टर में लिखा हुआ है। इसके नीचे जानकारी दी गई कि पटना में 4 जुलाई को उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। फिर मक्का कारोबारी दीपक शाह के बारे में बताया गया है जिनकी हत्या 10 जुलाई को मुजफ्फरपुर में की गई। उसके नीचे तृष्णा मार्ट के मालिक विक्रम झा के बारे में बताया गया है जिनकी रामकृष्णा नगर में 13 जुलाई को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

नर्स से लेकर वकील की हत्या को भी पोस्टर में बताया गयाः वहीं, मुख्यमंत्री के गृह जिला नालंदा की नर्स की हत्या की बात भी पोस्टर में लिखी गई है, जिसका 11 जुलाई को मर्डर हुआ था। वह PMCH की नर्स थी। इसके अलावा शिक्षक संतोष राय के हत्या की बात भी लिखी है, जिसे 13 जुलाई को छपरा में गोली मारा गया था। बालू कारोबारी रमाकांत यादव जिसे घर के बाहर गोली मारी गई, कारोबारी पुट्टू खान जिसे सर पर गोली मारी गई और वकील जितेंद्र मेहता, जिसकी 13 जुलाई को गोली मारकर हत्या कर दी गई, उसका भी जिक्र है।

5 साल में 1 करोड़ नौकरियां और रोजगार देगी सरकार

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार ने फैसला किया है कि आने वाले 5 सालों (2025 से 2030 तक) में 1 करोड़ नई नौकरियां और रोजगार के मौके बनाए जाएंगे। इसके लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई जाएगी, जिसकी अध्यक्षता विकास आयुक्त करेंगे। यह समिति देखेगी कि रोजगार बढ़ाने के लिए और क्या-क्या किया जा सकता है और सरकार को सलाह देगी। इससे राज्य के युवाओं को आर्थिक मजबूती मिलेगी और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। उद्योग बढ़ने से राज्य में निवेश के नए अवसर भी आएंगे। मंगलवार को नीतीश कैबिनेट की मीटिंग में इस प्रस्ताव पर मुहर लगी। बैठक में 30 एजेंडों को मंजूरी दी गई। जिसमें बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन में लगे BLO-सुपरवाइजर को सालाना मानदेय के अलावे 6000 रुपए देने के फैसले को मंजूरी मिली है।

तेजस्वी ने पूछा- 1 करोड़ नौकरियों के लिए पैसे कहां से आएंगेः एक करोड़ रोज़गार देने के नीतीश कैबिनेट के फैसले पर तेजस्वी यादव ने कहा- मुख्यमंत्री को सामने आकर ये बात अपने मुंह से कहनी चाहिए कि वो 1 करोड़ रोज़गार देने वाले हैं। CM बताएं 1 करोड़ नौकरियों के लिए पैसा कहां से आएगा। वहीं राहुल गांधी के क्राइम कैपिटल वाले बयान पर कहा कि 'राहुल गांधी ने सही कहा है आए दिन बिहार में आपराधिक घटनाएं हो रही है, लोगों को गोली मारा जा रहा है। बिहार क्राइम कैपिटल बन गया है।'

♦ **वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन में लगे 77 हजार BLO-8 हजार सुपरवाइजर को 6000 मिलेंगे, कैबिनेट का फैसला**

BLO को छह हजार एक्स्ट्रा मिलेंगेः कैबिनेट मीटिंग में भारत निर्वाचन आयोग के आदेश के बाद वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन में लगे बिहार के 77,895 BLO और 8,245 BLO सुपरवाइजर को उनके सालाना मानदेय के अलावा 6,000 रुपए देने का फैसला लिया है। इसके लिए सरकार ने 51 करोड़ 68 लाख 40 हजार खर्च करने की मंजूरी दी है।

पटना मेट्रो का दिल्ली मेट्रो करेगी संचालनः सरकार ने पटना मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के प्रियोरिटी कॉरिडोर (अगस्त 2025 से मार्च 2028 तक) के रख-रखाव का जिम्मा दिल्ली मेट्रो को सौंपा है। इसके लिए करीब 179.37 करोड़ रुपए खर्च होंगे। साथ ही मेट्रो चलाने के लिए 3-कार वाली एक ट्रेन को 3 साल के लिए किराए पर लिया जाएगा, इस पर लगभग 21.15 करोड़ खर्च होंगे। इन दोनों कामों की जिम्मेदारी दिल्ली मेट्रो को ही दी गई है।

खास खबर

युवा पीढ़ी के हाथ में स्कील होगा तो न केवल स्वयं आर्थिक सशक्त होंगे बल्कि दूसरों को भी नौकरी देने वाला हो जाएंगे : निदेशक

बीएनएम, मोतिहारी। मंगलवार को जन शिक्षण संस्थान, मोतिहारी के कार्यालय में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त मौके पर संस्थान के निदेशक दिनेश कुमार के द्वारा उपस्थित सभी लोगों को विश्व युवा कौशल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि एक राष्ट्र के निर्माता युवा होते हैं। युवा पीढ़ी के हाथ में स्कील होगा तो न केवल स्वयं आर्थिक सशक्त होंगे बल्कि दुसरो को भी नौकरी देने वाला हो जाएंगे। 15 जुलाई 25 को युवा कौशल कि दसवीं वर्षगाठ के अवसर पर एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकारण पर ध्यान केंद्रीत करना हैं। कहा कि एक कौशल युवा न केवल नौकरी करने बल्कि उद्योग के क्षेत्र में कइयों को नौकरी देने वाले भी हो सकते हैं। इसमें संस्थान के सभी कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जन शिक्षण संस्थान से कार्यक्रम पदाधिकारी मधु कुमारी ने दी है।

पुलिस की सख्ती के बावजूद चुलाई शराब का निर्माण व आपूर्ति जोरों पर

- भारी मात्रा मात्रा पकड़े जा रहे हैं शराब व पीने वाले

बीएनएम, सुगौली : पुलिस प्रशासन की सख्ती के बावजूद प्रखंड क्षेत्र में चुलाई शराब बनाने व बेचने का धंधा नहीं हो रहा है मंदा। प्रखंड क्षेत्र के सुदूर पंचायतों व नगर पंचायत क्षेत्र में आये दिन पुलिस चुलाई शराब बनाने वालों, आपूर्तिकर्ताओं तथा इसका सेवन करने वालों को पकड़ न्यायिक हिरासत में भेज रही है। बावजूद इसके शराब कारोबार से जुड़े लोग तू डाल डाल तो हम पात पात के मुहावरे को अक्षरशः चरितार्थ कर रहे हैं। थानाक्षेत्र के विभिन्न जगहों से मंगलवार को स्थानीय पुलिस ने एक चुलाई शराब कारोबारी सहित शराब पीने वाले चार अन्य लोगों को हिरासत में लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सुगांवडीह निवासी लालबहादुर राम के पुत्र जितेंद्र राम को 25 लीटर चुलाई शराब के साथ हिरासत में लिया है तो वहीं शराब सेवन करने के मामले में छेगरांहा निवासी रामाशीष ठाकुर के पुत्र मंटू कुमार,सुगांव के पन्नालाल साह के पुत्र आशीष कुमार तथा देवधारी महतो के पुत्र मुकेश महतो तथा नगर पंचायत के बंगरा निवासी शंकर चौधरी के पुत्र मुकेश चौधरी को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि बरामद शराब को जब्त कर लिया गया है और गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

बैठक में पीएम के कार्यक्रम में पहुंचने की अपील

बीएनएम, केसरिया। लोजपा (आर) की बैठक रविवार को देवीगंज स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई। इसमें पार्टी के सभी प्रकोष्ठ के प्रखण्ड अध्यक्ष, कार्यसमिति सदस्य व पंचायत अध्यक्ष शामिल हुए। बैठक के दौरान 18 जुलाई को मोतिहारी में आयोजित प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में केसरिया से अधिक से अधिक उपस्थिति दर्ज कराने पर बल दिया गया। प्रखण्ड अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि लोजपा(आर) एनडीए का अभिन्न हिस्सा है। गठबंधन धर्म का पालन करते हुए 18 जुलाई को पार्टी के झंडा व गमछा(पट्टा) के साथ भारी संख्या में मोतिहारी पहुंचना है। ताकि पीएम के कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके। बैठक में युवा सेल के प्रखण्ड अध्यक्ष पंकज पाठक, प्रखण्ड महासचिव रितेश गिरी, महिला सेल की प्रखण्ड अध्यक्ष निक्की देवी, मुकेश पासवान, उपाध्यक्ष कुमोद कुमार कुशवाहा, सचिव अजय मिश्र, परमेन्द्र श्रीवास्तव, मुन्ना पासवान सहित अन्य मौजूद थे।

ग्रामीण क्षेत्रों मे प्रधानमंत्री सभा को लेकर उत्साह का माहौल: महाचंद्र प्रसाद सिंह

बीएनएम,@सागर सूरज।

मोतिहारी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मोतिहारी आगमन को लेकर आस-पास के कई जिलों मे काफी उत्साह माहौल है। आगामी 18 जुलाई को मोतिहारी के गांधी मैदान मे बच्चे, बूढ़े और नौजवानों की संख्या लाखों मे होगी, जो देश के तेजस्वी प्रधान मंत्री की भाषण सुनेगे। मोतिहारी सर्किट हाउस मे आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस मे पत्रकारों से बात करते हुये बिहार के बड़े सियासतदान और स्वर्ण आयोग के अध्यक्ष महाचंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल मे देश ही नहीं विदेशों मे भी भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई है, उनके नेतृव मे देश चौथा महाशक्ति बनते हुये जापान जैसे महाशक्ति को पीछे छोड़ दिया।

प्रधानमंत्री ने जात-पात से ऊपर उठकर हर जाती और धर्म के लोगों के लिए काम किया है। काम बोलता है यही कारण है कि प्रधानमंत्री को लेकर गाँव-गाँव मे उत्साह का माहौल है। माननीय नरेंद्र मोदी विश्व के नेता बन गए। विश्व-विरादरी ने उन्हे अपना नेता माना है, ऐसे मे बिहार की अभी तक की किसी भी सभा से बड़ा सभा होने जा रहा है। श्री सिंह ने कहा कि पिछले 40 वर्षों से चंपारण के लोगों से उनका दिल का रिश्ता रहा है, यही कारण है कि मै जिस भी गाँव मे जाता हूँ, वहाँ बेहतरीन सभाएं होती है और लोगों मे प्रधानमंत्री के प्रति सम्मान एवं देश के प्रति गौरव का भाव देखने को मिलता है। श्री सिंह स्वर्ण आयोग के अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार मोतिहारी आए थे, जहां उनके समर्थकों ने फूल माला और शौल पहना कर उनका स्वागत किया। उन्होंने पत्रकारों के सवाल पर जवाब देते हुये कहा कि स्वर्ण समाज का एक तबका बहुत ही आगे बढ़ा हुआ है, तो वही 49% ऐसे लोग स्वर्ण समाज मे है, जो गरीबी और मुफ़सीली की जिंदगी जीने को विवश है। उनका विकास एवं उनकी समस्याओं का समाधान भी जरूरी है।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में सत्रांत परीक्षा परिणाम घोषित

- गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण

बीएनएम@मोतिहारी।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी द्वारा मई-जून 2025 में आयोजित सत्रांत परीक्षाओं (2025 पास आउट बैच) का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर सभी परिणाम अपलोड कर दिए गए हैं, साथ ही संबंधित विभागाध्यक्षों और संकायाध्यक्षों को भी यह परिणाम उपलब्ध करा दिए गए हैं। परीक्षा परिणामों की घोषणा विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा पूर्ण पारदर्शिता, समयबद्धता और व्यावसायिक दृष्टिकोण के साथ की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में संस्थान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सत्र 2023-24 से लागू करते हुए अकादमिक अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस दिशा में विश्वविद्यालय ने न केवल सत्र का नियमित संचालन किया बल्कि परीक्षा प्रक्रिया को भी व्यवस्थित रूप से संपन्न कर निर्धारित समय पर परिणाम जारी कर एक अनुकरणीय मिसाल पेश की है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की बात करें तो शिक्षा, हिन्दी, अर्थशास्त्र, समाजकार्य, वाणिज्य, पत्रकारिता तथा गांधी एवं शांति अध्ययन विभागों में शत-प्रतिशत छात्र सफल रहे हैं। समग्र रूप से स्नातक पाठ्यक्रमों में 88.68 प्रतिशत और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 79.76 प्रतिशत छात्र सफल हुए हैं, जो विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाता है। परिणामों को छात्रों तक विभागाध्यक्षों एवं संकायाध्यक्षों के माध्यम से पहुंचाया गया, जिससे परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता बनी रही। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी सूचित किया है कि जुलाई 2025 के दूसरे सप्ताह से नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ किया जा रहा है, जिसमें पठन-पाठन और शोध कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। परीक्षा और परिणाम प्रक्रिया की संपूर्ण निगरानी विश्वविद्यालय के सतर्कता एवं जांच अधिकारी प्रो. संतोष कुमार त्रिपाठी ने की। उन्होंने डिग्री सत्यापन कार्यों के साथ-साथ परीक्षा प्रणाली में सुचिता और निगरानी को भी सुनिश्चित किया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कृष्ण कान्त उपाध्याय ने सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों और प्रशासनिक सहयोगियों के सतत सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा में गुणवत्ता, पारदर्शिता और अनुशासन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

ट्रांसफार्मर अपग्रेडेशन

16 से 20 जुलाई तक रामगढ़वा व सुगौली के गांवों में रोटेशनल बिजली आपूर्ति

बीएनएम@रामगढ़वा।

रामगढ़वा प्रखंड स्थित मीनापुर पावर सबस्टेशन में ट्रांसफार्मर अपग्रेडेशन के चलते 16 जुलाई से 20 जुलाई तक रामगढ़वा एवं सुगौली प्रखंड के कई गांवों में बिजली आपूर्ति रोटेशन प्रणाली के तहत की जाएगी। यह जानकारी सहायक विद्युत अभियंता सुनील रंजन ने दी।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में मीनापुर टोला पावर सबस्टेशन पर दो 5 एमवीए क्षमता वाले ट्रांसफार्मर कार्यरत हैं। इनमें से एक 5 एमवीए ट्रांसफार्मर को हटाकर उसकी जगह 10 एमवीए क्षमता का उच्च क्षमता वाला ट्रांसफार्मर स्थापित किया जा रहा है, जिससे भविष्य में बिजली आपूर्ति अधिक सुचारु एवं स्थिर हो सकेगी। इस दौरान विद्युत

आपूर्ति फूगिनी फीडर के माध्यम से रोटेशनल तरीके से की जाएगी। सुगौली प्रखंड के पजियारवा, उत्तरी एवं दक्षिणी मनसिंघा, माली, बगही, करमवा तथा रघुनाथपुर पंचायत के गांवों में इस रोटेशन योजना के तहत बिजली दी जाएगी।

जिला स्तरीय 'स्टॉप डायरिया'' अभियान की हुई शुरुआत

- जन-जागरूकता से होगी डायरिया की रोकथाम, बाढ़ प्रभावित स्थानों पर सतर्कता बरतनी जरूरी

बीएनएम@मोतिहारी।

जिले के तुरकौलिया प्रखंड स्थित स्वास्थ्य केंद्र से 'स्टॉप डायरिया अभियान-2025' का शुभारंभ किया गया। डायरिया से होने वाली मृत्यु को शून्य तक लाने के उद्देश्य पर बल देने के लिए इस महत्वपूर्ण अभियान को 22 सितंबर तक चलाया जाएगा। ये बातें कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिले के डीसीएम नंदन झा ने कहीं। उन्होंने कहा की डायरिया से बच्चों को बचाव, रोकथाम एवं उपचार हेतु संस्थान एवं समुदाय स्तर पर जनजागरूकता से संबंधित कई अहम गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया की 5 वर्ष तक के 10 लाख से अधिक बच्चों कों रक्षित करने के उद्देश्य से 12 लाख 22 हजार 441 ओआरएस एवं 13 लाख 52 हजार जिंक की दवाए वितरित की जाएगी।उन्होंने कहा की डायरिया बाल मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। एक अनुमान के अनुसार राज्य में प्रति वर्ष लगभग 27 लाख बच्चे डायरिया से पीड़ित होते हैं जिनमें से कईयों की जान चली जाती है। डायरिया एक आसानी से ठीक होने वाली बीमारी है लेकिन इसके लिए इसका ससमय पहचान, रेफरल एवं उपचार आवश्यक है।

दूषित पानी या खाद्य पदार्थों के सेवन से होता है डायरिया

सिविल सर्जन डॉ. रविभूषण श्रीवास्तव ने कहा की 'स्टॉप डायरिया अभियान' ने कहा कि डायरिया एक संक्रामक बीमारी है। यह बीमारी तब फैलती है जब कोई स्वस्थ व्यक्ति गंदे हाथों से भोजन करता है या संक्रमित व्यक्ति के मल में मौजूद रोगाणुओं से दूषित पानी या खाद्य पदार्थों का सेवन करता है। इसीलिए डायरिया के प्रसार को रोकने के लिए हमें खुले में शौच से परहेज एवं शौच के बाद व खाने से पहले अपने हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना बहुत आवश्यक है। साथ ही हमें दूषित पेयजल एवं खाद्य पदार्थों के सेवन से भी परहेज करना चाहिए। इस अवसर पर बताया गया कि अभियान के अंतर्गत, राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में जिंक-ओआरएस कॉर्नर की स्थापना की जाएगी जहां प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी उपलब्ध रहेंगे।आशा कार्यकर्ताओं के द्वारा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों वाले सभी परिवारों के घर ओआरएस के पैकेट वितरित किए जाएंगे। वहीं रक्सौल में स्टॉप डायरिया कार्यक्रम की शुरुआत अनुमण्डलीय अस्पताल उपाधीक्षक रक्सौल डॉ राजीव रंजन के द्वारा किया गया। जहाँ बच्चों कों ओआरएस पैकेट देते हुए उन्होंने बताया की डायरिया पर नियंत्रण के लिए 6 माह तक शिशु को केवल स्तनपान, पर्याप्त पूरक आहार और विटामिन-ए देने की आवश्यकता है। उन्होंने रोटा वायरस के टीकाकरण को भी महत्वपूर्ण बताया, उन्होंने कहा की यदि बच्चे को डायरिया हो जाए तो जिंक-ओआरएस का प्रयोग असरकारी होता है। डायरिया के गंभीर मामलों के अस्पताल में उपचार की भी विशेष व्यवस्था होती है जहाँ इसके लिए विशेष वार्ड बनाए गए हैं। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी, बीसीएम, काउंसलर, यूनिसेफ, पीएसआई, पिरामल स्वास्थ्य, सिफार के जिला प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को क्रेडिट का होगा नुकसान: परीक्षा नियंत्रक

बीएनएम@ मोतिहारी।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में 10 जुलाई से संचालित हो रही सत्र 2024-28 की चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में सेकेंड सेमेस्टर की आंतरिक लिखित परीक्षा मंगलवार को शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त तरीके से समाप्त हो गई। प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि यह केंद्र सतत् आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के सतत् कदाचार मुक्त संचालन के लिए सदा सुविख्यात रहा है। वहीं परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुमार राकेश रंजन ने बताया कि संबंधित विभागों के विभागाध्यक्षों द्वारा संबंधित विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन करते हुए इस आंतरिक परीक्षा को सफल बनाया गया। मंगलवार को चार

पालियों में एईसी-2 के तहत सभी मेजर कोर्सों के एनवायरमेंटल साइंस पेपर की परीक्षा थी। मंगलवार को प्रथम पाली में इतिहास व मनोविज्ञान मेजर कोर्स के 716 विद्यार्थी, द्वितीय पाली में राजनीति विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान व गणित मेजर कोर्स के 849 विद्यार्थी, तृतीय पाली में भूगोल व अर्थशास्त्र मेजर कोर्स के 771 विद्यार्थी तथा चतुर्थ पाली में हिंदी, दर्शनशास्त्र उर्दू व अंग्रेजी मेजर कोर्स के 584 विद्यार्थी उपस्थित रहे। ज्ञातव्य हो कि इस आंतरिक परीक्षा में अनुपस्थित व अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को क्रेडिट का नुकसान हो सकता है। निर्धारित क्रेडिट के अभाव में उन्हें तीसरे सेमेस्टर में प्रोन्नत होने से वंचित होना पड़ सकता है। कक्षाओं के संचालन, एसाइनमेंट व ओरल प्रजेंटेशन के संबंध में सभी विद्यार्थियों को अपने मेजर कोर्स, माईनर कोर्स, मल्टी डिसीप्लिनरी कोर्स, स्किल एनहैंसमेंट कोर्स, वैल्यू एडेड कोर्स व एबिलिटी एनहैंसमेंट कोर्स के संबंधित शिक्षकों से सतत् संपर्क में रहना होगा। विज्ञान संकाय, सामाजिक विज्ञान संकाय व मानविकी संकाय में नामांकित अधिकतम विद्यार्थियों की संख्या के कारण यहां आंतरिक लिखित परीक्षा का संचालन एक चुनौती थी जिसके सफल संचालन में इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ.सुबोध कुमार, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, ले.(भू.पू.) दुर्गेशमणि तिवारी, गणित विभागाध्यक्ष डॉ.दीपक कुमार, भूगोल विभागाध्यक्ष स.आ.राकेश रंजन कुमार, वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो.अरविंद कुमार, राजनीति विज्ञान सहायक प्राध्यापक डॉ.कृष्ण कुमार कृष्णा, उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ.जौवाद हुसैन, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.संतोष विश्नोई, डॉ.रविरंजन सिंह, डॉ.प्रभाकर कुमार, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.कुमारी मनीषा, मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. कविता कुमारी व डॉ.अनिता कुमारी, अर्थशास्त्र सहायक प्राध्यापिका डॉ.बबीता कुमारी, डॉ. नीरज कुमार, डॉ.रामप्रवेश, डॉ.स्वर्णा रानी, डॉ. शरतचंद्र, डॉ. दीपक कुमार भगत, रविरंजन कुमार, उज्जवल कुमार व मोहन सिंह जैसे वीक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिला स्तरीय स्टॉप डायरिया अभियान की हुई शुरुआत

बीएनएम, बेतिया। बेतिया के अम्बेडकर नगर यूपीएचसी से स्टॉप डायरिया अभियान-2025' का शुभारंभ किया गया। अभियान को 22 सितंबर तक चलाया जाएगा ये बातें कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिले के डीसीएम राजेश कुमार ने कहीं उन्होंने कहा की डायरिया से बच्चों को बचाव, रोकथाम एवं उपचार हेतु संस्थान एवं समुदाय स्तर पर जनजागरूकता से संबंधित कई अहम गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। प्रचार हेतु जागरूकता रथ भी घूम रहा है। उन्होंने बताया की 5 वर्ष तक के बच्चों के बीच 10 लाख ओआरएस, 99 लाख जिंक की दवा वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा की डायरिया बाल मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। उन्होंने बताया की 17 जुलाई कों दस्त नियंत्रण पखवाड़ा एवं परिवार नियोजन पखवाड़ा पर बैठक होगी।

सरकारी तंत्र फेल, समाजसेवी बने लोगों का सहारा

लोगों की प्यास बुझाने आगे आए समाजसेवी ई. संजय कुमार

बीएनएम@ पताहीं।

गांव-गांव भेज रहे हैं पानी का टैंकर, भीषण जलसंकट में राहत का प्रयास

प्रचंड गर्मी और भूजल स्तर में भारी गिरावट ने पताहीं प्रखंड के कई गांवों को जलसंकट की चपेट में ला दिया है। नल-जल योजना की विफलता और चापाकलों के सूख जाने से आम जनजीवन त्रस्त है। गांव-गांव में पीने के पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। ऐसे विषम समय में जब प्रशासनिक तंत्र मूकदर्शक बना है, समाजसेवी और जन सुराज के नेता ई. संजय कुमार सिंह आगे आकर लोगों की प्यास बुझा रहे हैं। उन्होंने अपनी पहल पर पताहीं प्रखंड के दर्जनों गांवों में पानी के टैंकर भेजने की व्यवस्था की है, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली है।

पद नहीं, सेवा है प्राथमिकता : ई. संजय कुमार सिंह न केवल जन सुराज के संभावित विधानसभा प्रत्याशी हैं, बल्कि एक ऐसे नेता के रूप में

सामने आए हैं, जो सेवा को राजनीति से ऊपर मानते हैं। लोगों की मानें तो – "वह नेता नहीं, असली जनसेवक हैं।"

सादगी और सेवा से मिल रही पहचान : एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान जब उन्होंने आम नागरिक की तरह स्वयं कुर्सी साफ की, वह दृश्य मात्र एक तस्वीर नहीं था, बल्कि युवाओं के लिए एक मूल्यवान प्रेरणा बन गया। करोड़ों की संपत्ति और सामाजिक प्रतिष्ठा होने के बावजूद उनका यह विनम्र आचरण समाज के लिए एक मिसाल है।

जनता में मिल रहा भरपूर समर्थन : लोगों ने ई. संजय कुमार के इस मानवीय प्रयास की दिल खोलकर सराहना की है। उनका मानना है कि अगर राजनीति में ऐसे ही जमीन से जुड़े नेतृत्व का उदय हो, तो सचमुच बदलाव मुमकिन है।

"*मैं बीते तीन वर्षों से गांव-गांव जाकर पानी की दिक्कत को समझ रहा हूं और समाधान का प्रयास कर रहा हूं। यह कोई चुनावी स्टंट नहीं, बल्कि मेरी फितरत है। जन सुराज के माध्यम से बिहार के बदलाव की बात कर रहा हूं। जब जनता का राज होगा, तभी जनकल्याण संभव है।*

-ई. संजय कुमार

प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर उमड़ा आस्था का सैलाब

1001 कुंवारी कन्याओं के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

बीएनएम@ हरसिद्धि।

सावन के पहले मंगलवार को हरसिद्धि बाजार में शिव-पार्वती मंदिर से निकली कलश यात्रा ने श्रद्धा और आस्था की नई मिसाल कायम की। राधे-कृष्ण की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर निकली इस भव्य कलश यात्रा में 1001 कुंवारी कन्याओं ने हिस्सा लिया। पूरा क्षेत्र जयकारों से गूंज उठा। कलश यात्रा शिव-पार्वती मंदिर से शुरू होकर हरसिद्धि बाजार होते हुए बलुआ घाट तक पहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वैदिक आचार्यों ने पूजा-अर्चना कर कन्याओं से पवित्र जल भरवाया। इसके बाद कलशधारियों का कारवां मंदिर परिसर लौटा। हाथी-घोड़े, गाजे-बाजे और हर-हर महादेव के नारों से हरसिद्धि की गलियां गुंजायमान रहीं।

1969 में बना था शिव-पार्वती मंदिर, अब करोड़ों की लागत से हुआ कायाकल्प : शिव-पार्वती मंदिर की स्थापना 1969 में स्व. सोना लाल प्रसाद गुप्ता ने की थी। वर्षों बाद उनके पुत्र भोले शंकर प्रसाद गुप्ता ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार कर नया स्वरूप दिया है। मंदिर का निर्माण कार्य करोड़ों रुपये की लागत से कराया गया है। राधे-कृष्ण की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर मंदिर में तीन दिवसीय अनुष्ठान शुरू हुआ है, जिसकी पूर्णाहुति 17 जुलाई को होगी।

रास्ते में भक्तों ने कराया फल-शरबत का वितरण

कलश यात्रा के दौरान स्थानीय श्रद्धालुओं ने जगह-जगह फल, शरबत और जल सेवा कर कलशधारियों का स्वागत किया। श्रद्धालुओं की संख्या हजारों में रही। लोगों ने इसे हरसिद्धि के इतिहास का सबसे भव्य धार्मिक आयोजन बताया। इस ऐतिहासिक अवसर पर ई. भोले शंकर गुप्ता, मिट्ठू गुप्ता, रामायण सहनी, संदीप कुमार गुप्ता, रजनीश कुमार गुप्ता, कृष्णा कुशवाहा उर्फ नेता जी, प्रियांशु यादव, ऋषि कुमार, ओमप्रकाश गुप्ता, निरंजन कुमार, समेत हरसिद्धि बाजार के सैकड़ों व्यापारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बेगूसराय जिला पदाधिकारी ने किया रुदौली पंचायत का निरीक्षण

बेगूसराय। जिला पदाधिकारी तुषार सिंगला ने मंगलवार को बछवाड़ा प्रखंड अंतर्गत रुदौली पंचायत के वार्ड संख्या 12 का निरीक्षण एवं अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंचायत क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में अपर समाहर्ता बेगूसराय, प्रखंड विकास पदाधिकारी बछवाड़ा, अंचलाधिकारी बछवाड़ा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। मौके पर जिला पदाधिकारी ने आमजनों से भी सीधा संवाद कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली।

मटिहानी विधानसभा में महावीर यादव बन सकते हैं महागठबंधन के मजबूत दावेदार

मटिहानी विधानसभा सीट से राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता महावीर यादव महागठबंधन के सबसे मजबूत उम्मीदवार के रूप में उभर रहे हैं। किसान प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष और महानगर उपाध्यक्ष महावीर यादव क्षेत्र में सामाजिक कार्यों और जनसेवा के लिए जाने जाते हैं। गरीब, मजदूर और किसानों के हित में हमेशा आगे रहने वाले महावीर यादव हर धर्म और वर्ग में लोकप्रिय हैं। बाढ़ पीड़ितों की मदद, सड़क निर्माण और सामाजिक कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। स्थानीय राजनीति जानकार मानते हैं कि यदि महागठबंधन उन्हें टिकट देता है तो मटिहानी सीट से उनकी जीत तय मानी जा रही है। जनसमर्थन और जनसेवा के कारण वे मटिहानी में सबसे लोकप्रिय चेहरा बन चुके हैं।

नागपंचमी के अवसर पर उमड़ी भगवती मंदिरों में भीड़

बेगूसराय नावकोठी.नागपंचमी के अवसर पर भगवती मन्दिरों में मंगलवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी.बभनगामा, पहसारा,देवपुरा,हसनपुर बागर,समसा,नावकोठी,छतौना,विष्णुपुर,सैदपुर,चक्का, रजाकपुर, बेगमपुर आदि भगवती मंदिरों में श्रद्धालुओं ने झांप मंजूषा के साथ दूध,लावा आदि चढ़ाया.प्रसाद के नाम पर दही,नीम का पान भी किया.दोपहर में भगत स्नान करने बूढ़ी गंडक नदी गये.वहां उन्होंने विभिन्न प्रकार के करतब भी दिखाये. कहीं बेंत से दूध निकाला तो कहीं सूखे फल श्रद्धालुओं के बीच बांटे.लोग नीर,अक्षत के लिए उमड़ पड़े थे.देवपुरा में कुश के बने कलश में बूढ़ी गंडक नदी का जल लाया गया.बताया गया कि इस मंदिर में माता भगवती की असीम कृपा है.तभी तो क्षेत्र के श्रद्धालुओं की भीड़ भगवती मंदिरों में उमड़ पड़ती है.

गृह रक्षा वाहिनी में चयनित अभ्यर्थियों को किया गया सम्मानित

आरा। वीर कुंवर सिंह स्टेडियम आरा में मिशन फिजिकल अकादमी के द्वारा गृह रक्षा वाहिनी में चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक योगेंद्र पांडेय ने किया। उद्घाटन आरा नगर निगम की महापौर इंदु देवी, समाजसेवी संजय राय, जदयू नेता अभय विश्वास भट्ट, पीटीआई कन्हैया सिंह ने संयुक्त रूप से फिता काटकर किया। उद्घाटन के उपरांत मिशन फिजिकल अकादमी के निर्देशक योगेंद्र पांडेय ने मुख्य अतिथि महापौर इंदु देवी को अंग वस्त्र बुके और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मौके पर महापौर इंदु देवी ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा कि आप जहां भी रहे ईमानदारी से अपने कार्य का निर्वहन करें। मेरी जहाँ भी जरूरत होगी वहां हम सभी के सेवा में सदैव रहेंगे। तत्पश्चात गृह रक्षा वाहिनी में चयनित आकाश कुमार, मंटू कुमार, चंदन, सुषमा कुमारी, खुशबू कुमारी, मधुबाला कुमारी, रंजीत कुमार, मनीषा कुमारी, पूनम कुमारी समेत अन्य को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। मौके पर लाल बहादुर लाल पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी, रोहित कुमार, अजय कुमार एमके सिंह आदि मौजूद थे।

18 जूलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर बाल्मीकि नगर में एनडीए की बैठक सम्पन्न

प्रधानमंत्री के आगमन पर कार्यकर्ताओं से मोतिहारी चलने की अपील

बीएनएम@ बगहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी 18 जुलाई को मोतिहारी में प्रस्तावित विशाल जनसभा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। वाल्मीकिनगर स्थित कन्वेंशन सेंटर में एनडीए कार्यकर्ताओं की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 18 जुलाई 2025, दिन शुक्रवार को प्रातः 10 बजे मोतिहारी के गांधी मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गरिमामयी उपस्थिति भी सुनिश्चित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक आमजन को रैली में शामिल कराने का आह्वान किया और कहा कि यह रैली एनडीए के लिए ऐतिहासिक रैली होगी।

यह प्रधानमंत्री मोदी का बिहार में 53वां दौरा होगा, जो उनके बिहार प्रेम को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि मोतिहारी की रैली में 24 विधानसभा क्षेत्रों से लोग शामिल होंगे और गांधी मैदान में करीब तीन लाख लोगों की उपस्थिति की संभावना है। पीएम मोदी पर आज हर वर्ग का भरोसा है और लोग उनके गारंटी कार्ड को स्वीकार कर रहे हैं। पीएम मोदी का मोतिहारी आगमन बिहार की धरती के लिए एक गौरवशाली क्षण है। यह रैली चंपारण की ऐतिहासिकता के साथ-साथ एनडीए की एकता, ताकत और जनसमर्थन का प्रतीक बनेगी। आगामी 18 जुलाई को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आगमन मोतिहारी के गांधी मैदान में हो रहा है। जिसमें आपकी भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह करने आया हूं। पांच माह बाद बिहार में चुनाव है। आप सभी से अपील है कि बिहार के विकास पुरुष नीतीश कुमार को फिर से मुख्यमंत्री बनाना है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ को मजबूत करना है।आज से बीस पहले बिहार में अच्छी सड़क नहीं दिखती थीं। आज पटना से आपके पास आने में मात्र छह

घंटे का समय लगता है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा पर सबसे ज्यादा फोकस किया गया है। मुख्यमंत्री के द्वारा वृद्धा पेंशन को चार सौ से बढ़ाकर ग्यारह सौ कर दिया गया है।इसकी लाभ आम जनता को मिल रहा है।उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से आदर पूर्वक हाथ जोड़कर मोतिहारी चलने का अपील किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे एकजुट होकर कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करें और बिहार के विकास में सहभागी बनें। इस दौरान उपरोक्त कार्यक्रम को लेकर बहुत सारे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा पीएम के आगमन को सफल बनाने को लेकर मौजूद एनडीए नेता व कार्यकर्ताओं को टिप्स दिया एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही विकासात्मक कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

नरेंद्र मोदी पीएम बनने के बाद 53वीं बार बिहार आ रहे हैं। राज्य को करोड़ों की योजनाओं की सौगात देने आ रहे हैं। इस बार मोतिहारी में भी वह 7196 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर विकास के मार्ग खोलने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार के बिहार दौरे पर 7196 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देंगे। इस बार सबसे अधिक रेलवे की 5398 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने जा रहे हैं। इसके बाद सड़क और परिवहन राजमार्ग पर सबसे ज्यादा यानि कुल 1173 करोड़ की योजना का सौगात देने आ रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी के मद में 63 करोड़ की परियोजनाएं की भी घोषणा करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के 40 हजार लाभार्थियों को 162 करोड़ नकदी खाते में हस्तांतरित होगी। 12 हजार लाभार्थियों का गृह प्रवेश होगा। जबकि 61 हजार 500 स्वंय सहायता समूह को 400 करोड़ जारी किया जाएगा। बैठक में जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय झा, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे, वाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, विधायक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, जदयू बिहार एमएलसी भीष्म साहनी,राजेश सिंह, विजया सिंह आदि मौजूद रहे।

जदयू बिहार एमएलसी ने कार्यकर्ताओं से भरी बस को किया रवाना

बीएनएम@ बगहा ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी 18 जुलाई को मोतिहारी में प्रस्तावित विशाल जनसभा को लेकर तैयारियां जोरों पर है। तैयारी के मद्देनजर भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, जदयू मंत्री ललन सिंह, जदयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष संजय झा बाल्मीकि नगर पहुंचे। मंगलवार को एनडीए की बैठक बाल्मीकि नगर में संपन्न हुई। इस बैठक को सफल बनाने के लिए जदयू बिहार एमएलसी भीष्म साहनी ने हजारों कार्यकर्ताओं से भरी बस को हरी झंडी दिखाकर बाल्मीकि नगर के लिए रवाना किया इस मौके पर मोहम्मद निजामुद्दीन, किसान प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष उमाशंकर साहनी, संजय मिश्रा, अशोक यादव, ओमप्रकाश शाही, जीतन जयसवाल, जयचंद्रन पांडे, मनीष पांडे, मुन्ना राम, राजू मिश्रा, छोटू बैठा, विनोद पटेल, विष्णु साहनी, , जरीना खातून, आरती देवी, शांति देवी, नागेंद्र यादव रहे।

हमारा विधायक कैसा हो तुषार सिंह जैसा हो, के नारे से गूंज उठा बगहा

बीएनएम@ बगहा।

♦ समीक्षात्मक बैठक में बाल्मीकि नगर पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के सामने नारा लगाते रहे भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण

पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में 18 जुलाई को प्रधानमंत्री का आगमन हो रहा है। इसको देखते हुए भाजपा और जदयू के नेताओं ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एड़ी चोटी एक कर दिए हैं। इसी क्रम में सोमवार की शाम कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षात्मक बैठक करने पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, जदयू के सांसद ललन सिंह, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष संजय झा को चौतरवा चौक पर जदयू और भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा इनका स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं और ग्रामीण अखिलेश कुमार, राजन शर्मा, विनोद गुप्ता, अभय शर्मा, गुड्डू शर्मा, रविंद्र कुमार,चंद्रदीप प्रसाद, भीम कुमार श्याम बिहारी प्रसाद, भारत कुमार, धनंजय, अजय, रविकेश, गौतम साहनी, अवधेश, सत्येंद्र यादव,लाल बाबू यादव ,लल्लन यादव ,सुरेश सिंह ,सर्वेश राम, विनोद राम, पवन राम,किशुन चौहान, साहेब यादव, हीरा चौहान, हीरा लाल चौधरी सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने एक सुर से हमारा विधायक कैसा हो तुषार सिंह जैसा हो के नारा लगा शुरू कर दिए। बताते चले की भाजपा नेता तुषार सिंह

प्रतिदिन अपने विधानसभा में क्षेत्र भ्रमण कर जनता की समस्याओं को सुनकर उनका निष्पादन करते हैं। जनता के सुख-दुख में काम आते हैं। वहीं भाजपा नेता तुषार सिंह अपने आवास पर प्रतिदिन जनता दरबार लगाकर जनता की समस्याओं को सुनकर उनकी निष्पादन करने का कार्य भी करते हैं ।

एक पेड़ मां के नाम वार्ड पांच में किया गया पौधारोपण

बीएनएम@ बगहा।

विश्व कौशल दिवस के अवसर पर कार्यपालक पदाधिकारी सरोज कुमार बैठा के निर्देशन में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अंतरराष्ट्रीय अभियान के तहत वार्ड नंबर 5 में स्थित विमल बाबू अड्डा के प्रांगण में दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह की दीदियों के द्वारा पौध रोपित किया गया।इस अवसर पर सभापति पुष्पा गुप्ता,उप सभापति रश्मी रंजन, एवं विश्व कौशल दिवस के अवसर पर बी आर सी द्वारा आयोजित प्रखंड स्तरीय मशाल प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के सम्मानित शिक्षक और शिक्षिकाओं की गरिमा मयी उपस्थिति रही। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आज पौधरोपण का शुभारम्भ सभापति पुष्पा गुप्ता, उपसभापति रश्मि रंजन एवं विश्व कौशल दिवस के अवसर पर प्रखंड स्तरीय मशाल प्रतियोगिता में प्रतिभागी सम्मानित शिक्षक और शिक्षिकाओं के द्वारा संयुक्त रूप से पौधरोपित करके किया गया।पौधरोपण से पूर्व नगर मिशन प्रबंधक विनोद कुमार सिंह ने समूह की दीदियों और विश्व कौशल दिवस के अवसर प्रखंड स्तरीय मशाल प्रतियोगिता में प्रतिभागी सम्मानित शिक्षक और शिक्षिकाओं को पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी और इस अंतर्राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने का अनुरोध किया। सभापति पुष्पा गुप्ता ने पर्यावरण को सुरक्षित करने में एक पेड़ मां के नाम अभियान की अहम् भूमिका बताते हुए समूह की दीदियों और उपस्थित लोगों से इस अभियान का हिस्सा बनने की अपील की।इस क्रम मे उप सभापति रश्मी रंजन के द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा की बात रखते हुए एक

पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रोपित पौधों की देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी समूह की दीदियों के साथ साथ यहां रह रहे लोगों की भी नैतिक जिम्मेदारी की बात कही ,और उपस्थित लोगों से इस अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक कार्य का हिस्सा बनने की अपील की। विश्व कौशल दिवस के अवसर पर मशाल प्रतियोगिता में सहभागी शिक्षक शैलेन्द्र कुमार BRP बगहा 2 ने नगर परिषद बगहा के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्रम में विमल बाबू अड्डा प्रांगण में आयोजित एक पेड़ मां के नाम अंतरराष्ट्रीय अभियान के तहत आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम को एक अनूठी पहल बताते हुए काफी सराहना की और पौधों की सुरक्षा और देखभाल की नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए उपस्थित समूह की दीदियों और उपस्थित आम जनमानस से अनुरोध किया कि पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए रोपित पौधों की समुचित देखभाल आवश्यक है।इस क्रम में नगर मिशन प्रबंधक विनोद कुमार सिंह ने पौधारोपण करने वाली समूह की दीदियों को एक पेड़ मां के नाम अंतरराष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत रोपित पौधों को बेटा और समूह की दीदियों को मां का दर्जा देते हुए अपने बेटे जैसा पौधों की देखभाल करने का अनुरोध किया गया।इस क्रम में सभी उपस्थित गणमान्य लोगों एवं विश्व कौशल दिवस के अवसर पर आयोजित प्रखंड मशाल प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के सम्मानित शिक्षक और शिक्षिकाओं के बीच नगर मिशन प्रबंधक के द्वारा एक पेड़ मां के नाम का नारा लगाते हुए समूह की दीदियों को संकल्प दिलाया गया। वार्ड नंबर 5 में स्थित विमल बाबू अड्डा के प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अंतरराष्ट्रीय अभियान के तहत समूह की दीदियों के द्वारा 50पौध रोपित किए गए। जिसमें अमरूद, आम, जामुन,नीम , आंवला आदि पेड़ शामिल हैं। इस अभियान में सामुदायिक संगठक प्रियंका द्विवेदी के द्वारा समूह की दीदियों से समन्वय स्थापित कर महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। विश्व कौशल दिवस पर आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में पिंटू कुमार BRP बगहा2, शिक्षिका निशा साहू, रेणु कुमारी,प्रिया कुमारी,पूजा सिंह,शिक्षक मोहम्मद रिजवान, सौरभ कुमार, अरविंद कुमार,हरेन्द्र कुमार,सामुदायिक संसाधन सेवी किरन , नीतू सुपरवाइजर रविन्द्र कुमार , अवधेश कुमार , दीक्षा आदि के द्वारा उपस्थित होकर अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया।

ईवीएम को लेकर जागरूकता अभियान तेज

बेगूसराय में डेमो सेंटर का उद्घाटन

बीएनएम@ बेगूसराय।

बेगूसराय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार, पटना के निर्देश पर मतदाताओं को ईवीएम के प्रति जागरूक करने एवं प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से जिले और अनुमंडल स्तर पर EVM Demonstration Center की स्थापना की गई है इसी क्रम में आज बेगूसराय अनुमंडल कार्यालय परिसर में जिला मुख्यालय एवं अनुमंडल स्तर पर स्थापित ईवीएम डेमो सेंटर का उद्घाटन जिलाधिकारी तुषार सिंगला द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं सभी अवर निर्वाचन पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी सिंगला ने कहा कि इस पहल से मतदाताओं में मतदान प्रक्रिया को लेकर विश्वास और जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में अधिकतम मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ईवीएम डेमो सेंटर का व्यापक प्रचार-प्रसार करें और प्रतिदिन अधिक से अधिक मतदाताओं को प्रशिक्षण देकर जागरूक बनाएं।

निहाल की गिरफ्तारी राहतकारी

अमेरिकी अधिकारियों ने प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के प्रत्यर्पण अनुरोधों के आधार पर भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के छोटे भाई निहाल मोदी को गिरफ्तार कर लिया है। निहाल (46) पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े कथित 13 हजार करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में आरोपी हैं। यह मामला अब तक के सबसे बड़े धोखाधड़ी मामलों में से एक है। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो-दोनों ने अलग-अलग आरोप पत्र दायर किए हैं, और दोनों में ही निहाल मोदी को आरोपी बनाया गया है। इस मामले में निहाल का भाई नीरव मोदी और उनका रिश्तेदार मेहुल चोकसी भी आरोपी हैं। नीरव लंदन की जेल में बंद है, और भारत में प्रत्यर्पण की कार्यवाही का सामना कर रहा है। मामले में दायर आरोप पत्र के मुताबिक, नीरव मोदी ने अपनी कंपनियों के जरिए फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग-एमओयू-जारी करके पंजाब नेशनल बैंक से करीब 6,498 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी, जबकि शेष राशि उसके रिश्तेदार ने यही तरीका अपनाते हुए हड़प ली थी। बेल्जियम के एंटवर्प में जन्मे, पले-पढ़े तथा अंग्रेजी, गुजराती और हिन्दी में पारंगत निहाल मोदी अपने भाई नीरव मोदी की ओर से अपराध की आय को कथित रूप से वैध बनाने के लिए भारत में वांछित है। निहाल ने भारतीय वित्तीय कानूनों का उल्लंघन करते हुए फर्जी कंपनियों के जरिए बड़ी मात्रा में अवैध धन को छिपाने और स्थानांतरित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। अरसे से दोनों भारतीय एजेंसियां इन दोनों आरोपी भाइयों के साथ ही उनके रिश्तेदार मेहुल चोकसी को तलाश में थी। इसके लिए भारतीय अधिकारियों ने इंटरपोल ने 'रेड नोटिस भी जारी कराया था ताकि आरोपियों को ढूंढने में अंतराष्ट्रीय सहयोग प्राप्त किया जा सके। 'रेड नोटिस इंटरपोल द्वारा जारी किए जाने वाला अंतराष्ट्रीय अनुरोध है, जिसका उद्देश्य किसी व्यक्ति का पता लगा कर उसे गिरफ्तार करना है ताकि उसके खिलाफ प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या अन्य कानूनी कार्यवाही की जा सके। नीरव की गिरफ्तारी भारतीय एजेंसियों के लिए राहत की बात है। उम्मीद है कि दोनों भाइयों को भारतीय एजेंसियां अदालत में पेश कर उन्हें जल्द सजा दिला सकेंगी। सरकार के लिए भी यह गिरफ्तारी राहतकारी घटनाक्रम है क्योंकि इस मामले में विपक्ष जब-तब सरकार को घेरता रहा है।

शिक्षा में भारतीय ज्ञान का समावेशःक्यों और कैसे?

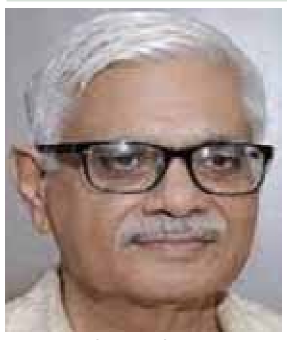

गिरीश्वर मिश्र

सुनने में यह कुछ अटपटी सी बात लगती है कि भारतीय शिक्षा को अब 'भारतीय' ज्ञान-परम्परा के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए पहल की जा रही है। इसे लेकर आम आदमी के मन में कई सवाल खड़े होते हैं। भारतीय होने का क्या अर्थ है ? जो ज्ञान-परम्परा स्वतंत्र भारत में चलती रही है वह किस अर्थ में भारतीय नहीं थी या कम भारतीय थी ? भारतीय ज्ञान-परम्परा का स्वरूप क्या है ? वह किस रूप में दूसरी ज्ञान-परम्पराओं से अलग है ? इस भारतीय ज्ञान-परम्परा की विशिष्टता क्या है जो हम इसकी ओर मुड़ें ? हालांकि इन प्रश्नों का उत्तर बहुत कुछ राजनीतिक पसंद और नापसंद पर निर्भर करता है पर आज के ज्ञान-युग में सामर्थ्यशाली होने के लिए इस पर विचार करना भारत के लिए किसी भी तरह से वैकल्पिक नहीं कहा जा सकता। शिक्षा भारत में हो रही है, वह भारतीय शिक्षार्थियों के लिए है और भारतीयों द्वारा ही दी जा रही है। यह लोक-रुचि और लोक-कल्याण की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। उस पर सार्वजनिक विचार होना ही चाहिए । तटस्थता और उपेक्षा का नजरिया छोड़ कर इस पर अच्छी तरह से ध्यान देना जरूरी है। आखिरकार यह पूरे समाज की मनोवृत्ति, आचरण और देश के सांस्कृतिक अस्तित्व का सवाल है। शिक्षा की दृष्टि से यह एक गंभीर तथ्य हो जाता है कि हम आलोचनात्मक रूप से चिंतनहीन और सर्जनात्मकता की दृष्टि से पंगु होते जा रहे हैं। शैक्षिक निष्पादन चिंताजनक रूप से घट रहा है। राजनीति में आडम्बर और मानवीय मूल्य दृष्टि की बढ़ती कमी आज सबको खटक रही है। सामाजिक जीवन के अनेक क्षेत्रों में विचलन बढ़ रहे हैं। उदाहरण के लिए न्याय व्यवस्था में आज तक अपेक्षित सुधार नहीं लाया जा सका । आज करोड़ों मुकदमें हैं जिनमें झूठे मुकदमे भी हैं और करोड़ों परिवार त्रस्त हैं। नागरिक जीवन से जुड़ी व्यवस्थाएं चाक चौबंद नहीं हैं। ऐसे में शिक्षा पर बहुतों की नजरें टिकी हैं और उसके सुधार से बड़ी आशाएं जगती हैं। शिक्षा नीति में भारतीयता की दिशा में बदलाव की पहल के प्रति समाज में कई तरह की प्रतिक्रियाएं मिलती हैं। पश्चिमी शिक्षा और ज्ञान को सार्वभौमिक मान रहे लोग इसे राजनैतिक शगूफा मान रहे हैं, कुछ इस मोड़ के प्रति तटस्थ हैं, कुछ थोड़े संभ्रम के साथ उत्सुक हैं। कुछ हैं जो वास्तविक अर्थों में इसे गंभीरता से भी ले रहे हैं पर उनकी संख्या बहुत थोड़ी है । जो भी हो भारतीय ज्ञान-परम्परा का नीति-निर्माण की दुनिया में प्रवेश हो चुका है। नई शिक्षा नीति को लेकर देश भर में हुई लगातार हुई चर्चाओं के कई दौर चलने के बाद विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान-परम्परा के प्रति उन्मुख हो रहे हैं और आम जनों के बीच भी इसे लेकर उत्सुकता बढी है। पर शिक्षा में भारतीयता का इस सतही उपस्थिति से आगे बढ कर गम्भीर और व्यवस्थित रूप इस उपक्रम को अभी तक नहीं मिल सका है। कई लोग इसे एक नारा मान कर चल रहे हैं जब कि कुछ के लिए यह अस्मिता और भावना का प्रश्न बन गया है। यह तो तय है कि यदि पश्चिमी खर्चीले और अंशतः दिशाहीन तथा आयातित ज्ञान को थोपे जाने से मुक्ति की इच्छा है और अपने देश के ज्ञान, कौशल और अस्मिता को बंधक से छुड़ाने का मन है तो शिक्षा में बदलाव लाना ही होगा। यह भी निर्विवाद है कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मानसिक स्वराज जरूरी है और अपनी ज्ञान-व्यवस्था को पुनर्जीवित करना होगा। ओढ़ी हुई आधुनिकता की जगह नवोन्मेषी हो कर समकालीन परिस्थितियों में सकारात्मक परिवर्तन भी लाना होगा। हमको सांकेतिक और सजावटी बदलाव के भुलावे से आगे बढ़कर परिस्थितियों का सामना करना होगा और शिक्षा में जरूरी रूपांतर भी लाना होगा क्योंकि मानसिक गुलामी कई तरह से देश को आहत करती आ रही है जिसका बहुतों को पता भी नहीं होता। भारत के मानस का वि-उपनिवेशीकरण (डिकोलोनाइजेशन) शिक्षा में भारतीय दृष्टि की विवेकपूर्ण संगति के सिवाय कोई और मार्ग नहीं है। भारत की शिक्षा को भारतीय दृष्टि में स्थापित करने के परिणाम भारत और विश्व दोनों के ही हित में होगा। ज्ञान-विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विस्तार के पश्चिमी माडेल का खोखलेपन दिन-प्रतिदिन उजागर हो रहा है। अविरल चलती हिंसा, जलवायु-परिवर्तन की बढ़ती मुश्किलें, तीव्र होती गलाकाट प्रतिस्पर्धा, पर्यावरण का भीषण प्रदूषण, मनुष्यता की जगह बाजार का बढ़ता प्रभुत्व और अब कृत्रिम मेधा के क्रांतिकारी तकनीकी परिवर्तनों की सौगात ज्ञान के पश्चिमी नेताओं की सोच और मानसिकता पर प्रश्नचिह्न लगा रही है। यह सारा विकास मनुष्यता के विनाश का कारण बन रहा है। भारतीय ज्ञान-परम्परा मनुष्य की क्लेशों से मुक्ति की कामना करती है परंतु यह खेद की बात यह है कि बहुतों के मन में इस ज्ञान-परम्परा की वही बेढ़ब और अस्पष्ट छवि अभी भी बरकरार है जो कभी अंग्रेज बहादुरों ने बनाई थी और जिसे करीब दो सदियों तक लम्बे औपनिवेशिक दौर में भारतीयों ने बहुत हद तक आत्मसात कर लिया था। इसी के चलते आज बहुत से लोग इसे स्वर्णिम अतीत की अनावश्यक स्मृति या ऐसा आग्रह या व्यामोह मानते हैं जो वर्तमान से अछूता है । हालांकि आज की वैश्विक परिस्थितियों की सच्चाई पश्चिमी ज्ञान को लेकर निराशा ही दिखा रही है और लगातार हो रहे युद्ध से उसके बारे में बचे-खुचे भ्रम टूट बिखर रहे हैं । वस्तुतः यह सोच दूषित और दुराग्रहपूर्ण है कि भारतीय ज्ञान-परम्परा के प्रयोजन, परम्परा और दृष्टि संदिग्ध है। सच्ची बात यह है कि भारतीय ज्ञान-परम्परा ज्ञान-विज्ञान भी है और जीवन-दर्शन भी। यह यूरोकेंद्रित सोच-विचार का प्रभावी विकल्प प्रस्तुत करती है और वास्तविक जीवन अनुभव, आचार, नैतिकता और व्यापक सृष्टि की अवधारणाओं से जोड़ती है। भारतीय ज्ञान-परम्परा कोई काल में दफ्न वस्तु नहीं है। वह जीवित है और विकसित भी होती रही है। हां, इसके संस्थागत रूप की निरंतर उपेक्षा होती रही और हम उससे विरक्त होते गए। व्यक्तिवादी, अमूर्त, मात्रात्मक, और एकांत अनुशासनों की पक्षधर पश्चिमी ज्ञान परम्परा में सभी विषय स्वतंत्र ढंग से अलग-अलग विकसित हुए हैं । इसकी परिणति अतिरिक्त विशेषज्ञता के विकास में दिख रही है। भारतीय ज्ञान-परंपरा समेकित और अंतःक्रियात्मक है। इस प्रतिमान या पैराडाइम में परस्पर अवलंबन और पूरकता है। न्याय, मीमांसा, आयुर्वेद और योग आदि में ज्ञान की सुगम्य विधियों, सुचिंतित तर्क और अनुभव का उपयोग करते हैं और इनके बीच आवाजाही भी है । इस परम्परा में मनुष्य को प्रकृति के दोहन-शोषण का एकाधिकार नहीं है क्योंकि मनुष्य को पर्यावरण और ब्रह्मांड में स्थापित है न कि उसका केंद्र है। ज्ञान का सामाजिक संदर्भ में स्थित होना और नैतिक मूल्यों पर टिका होना भारतीय ज्ञान परम्परा को आधुनिक विज्ञान की दृष्टि को पूर्णता तक ले जाता है। भारतीय ज्ञान-परम्परा के विषय में संदेह और उत्साह की कमी अज्ञानता के कारण बढ़ता रहा है। शिक्षा नीति–2020 के प्राविधान के बाद भी औपनिवेशिक प्रभाव में पश्चिमी ज्ञान जहां सार्वभौम माना जा रहा है भारतीय ज्ञान स्थानीय मान कर हाशिए पर ही डाला जा रहा है । उसे बेतरतीब ढंग से पश्चिमी ज्ञान के मूल विषय-विस्तार में बैठा दिया जा रहा है चाहे वह संगत हो या असंगत। इस प्रसंग में यह भी भूल जाया जाता है कि भारतीय ज्ञान परम्पराएं पुरावशेष न हो कर लोक-जीवन में कई रूपों में सजीव रूप से विद्यमान हैं। पर्यावरण-संरक्षण, नैतिक आचरण, औषधीय उपाय तथा सामाजिक-सांस्कृतिक ज्ञान की सामग्री आमजनों, जन-जातियों और गावों में इतस्ततः बिखरी पड़ी हैं । जरूरी दस्तावेजीकरण, संरक्षण और प्रशिक्षण की व्यवस्था के अभाव में ये विनष्ट हो रही हैं। इस दृष्टि से वाचिक परंपराओं को भी शिक्षा में समाहित करना होगा।

जनजातियों, स्त्रियों और विभिन्न समुदायों के ज्ञान प्रायः मुख्य धारा से बहिष्कृत रहते हैं। भारतीय ज्ञान-परंपरा केवल अतीत की ओर नहीं देखती । वह शरीर मन और पर्यावरण के आवश्यक संतुलन पर बल देती है। भारतीय ज्ञान-परंपरा हमारे सभ्यता के उत्कर्ष का साधन बन सकती है बशर्ते हम साहस और विवेक के साथ काम करें। यह परम्परा सब किसी की है और सबके लिए है। भारत की ज्ञान-व्यवस्था आश्चर्यजनक रूप से बहुलता वाली रही है। इसे पुनर्जीवित करने के लिए लोकतांत्रिक तौर पर समावेशी होना होगा। शास्त्र का आदर आवश्यक है परंतु संस्कार, अभ्यास, आख्यान और जीवन के अनुभव कम महत्व के नहीं हैं। पाठ्यक्रम में प्राचीन ज्ञान और आधुनिक अनुप्रयोग दोनों की ही जगह होनी चाहिए। भारत के बौद्धिक पुनर्जागरण के लिए और पश्चिमी ज्ञान के आगे जाने के लिए इनको मुख्यधारा में प्रवेश देना होगा । शिक्षा नीति तो आरंभ है बहु क्षेत्रीय निवेश से ही यह पहल टिकाऊ हो सकेगी।

ऐसी पढ़ाई में है सारे बच्चों की भलाई

प्रियंका सौरभ

भारत के शिक्षा तंत्र में दशकों से एक अदृश्य रेखा बनी रही है। वह है आगे की बेंच और पीछे की बेंच। जहां आगे की बेंच पर बैठने वाले छात्र अकसर मेधावी माने जाते हैं, वहीं पीछे की बेंच को उपेक्षा और उपहास का प्रतीक समझा जाता है। लेकिन केरल के सरकारी स्कूलों में हाल ही में जो बदलाव लाया गया है, वह इस मानसिकता को जड़ से चुनौती देता है। अब वहां "बैक बेंचर्स" नाम की कोई चीज नहीं है। केरल के स्कूलों में अब छात्रों को गोल घेरे में (यू-शेप) में बैठाया जा रहा है, जिससे हर बच्चा शिक्षक के सामने होता है, न कोई आगे, न कोई पीछे। यह केवल एक बैठने की शैली नहीं, बल्कि एक वैचारिक क्रांति है। यह इस सोच को तोड़ता है कि सीखने का अधिकार कुछ बच्चों तक सीमित है। इस बदलाव का उद्देश्य स्पष्ट है-बराबरी, भागीदारी और समावेशिता। हर बच्चा अब शिक्षक से आंख मिलाकर संवाद कर सकता है, अपने सवाल पूछ सकता है और खुद को महत्वपूर्ण महसूस कर सकता है। बताया जाता है कि यह नई व्यवस्था एक फिल्म में दिखाई गई कल्पना से प्रेरित है। कभी-कभी सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि बदलाव की प्रेरणा भी बन जाता है। जिस तरह "तारे जमीन पर" ने विशेष बच्चों को लेकर दृष्टिकोण बदला, वैसे ही इस फिल्म ने शिक्षा व्यवस्था पर सोचने को मजबूर किया। केरल ने उस कल्पना को जमीन पर उतारा और यही वह दृष्टिकोण है जो भारत के शिक्षा क्षेत्र में एक नई रोशनी बन सकता है। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, वह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। एक बच्चा जो हमेशा पीछे बैठाया जाता है, उसके आत्मविश्वास पर इसका असर पड़ता है। उसे लगता है कि वह कमतर और गैरजरूरी है। जब वही बच्चा शिक्षक के सामने बैठता है, चर्चा का हिस्सा बनता है, तो उसके भीतर एक नई ऊर्जा जन्म लेती है। नई बैठने की व्यवस्था केवल छात्रों के लिए नहीं, शिक्षकों के लिए भी एक चुनौती और अवसर दोनों है। अब शिक्षक को केवल सामने खड़े होकर भाषण देने वाला नहीं, बल्कि बातचीत और सहभागिता में विश्वास रखने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। यह "एकतरफा शिक्षा" को "दोतरफा संवाद" में बदलता है। यह नई व्यवस्था शिक्षा में लोकतंत्र लाने की शुरुआत है। जहां सभी बच्चों को समान दृष्टि से देखा जाता है। यह भारत के संविधान की उस मूल भावना के अनुरूप है, जो समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की बात करता है। भारत में शिक्षा को लेकर अकसर यह शिकायत रहती है कि कक्षा का वातावरण असमानता को बढ़ावा देता है। कुछ बच्चों को ही शिक्षक का ध्यान मिलता है, जबकि अन्य बच्चे पीछे छूट जाते हैं। केरल की यह पहल इस असंतुलन को खत्म करने का प्रयास है। जब हर बच्चा एक जैसे स्थान पर बैठेगा, तो शिक्षक की दृष्टि और संवाद में भी समता आएगी। शिक्षा को समाजशास्त्र के नजरिए से देखें तो यह व्यवस्था वर्ग, जाति और आर्थिक स्थिति से जुड़ी भेदभावपूर्ण मानसिकता को भी चुनौती देती है। पिछली पंक्तियों में अकसर वे बच्चे बैठते थे जो या तो सामाजिक रूप से दबे हुए होते थे या जिनका आत्मविश्वास कम होता था। अब जब वे केंद्र में होंगे, तो उनके आत्म-सम्मान में वृद्धि होगी। केरल का यह प्रयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल नीति-निर्माताओं द्वारा ऊपर से थोपा गया बदलाव नहीं है, बल्कि शिक्षकों, छात्रों और स्कूल प्रशासन की सामूहिक सोच और सहमति से उपजा विचार है। यह समावेशी शिक्षा के वैश्विक सिद्धांतों के अनुकूल है, जिसमें हर बच्चे को समान अवसर देना प्राथमिकता है। नई व्यवस्था बच्चों को पारंपरिक अनुशासन की जगह से निकालती है और उन्हें संवाद, सहयोग और सहभागिता की दुनिया में लाती है। यह शिक्षण पद्धति को अधिक संवादात्मक, जीवंत और व्यावहारिक बनाती है। इस मॉडल का एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी है- जब बच्चा खुद को महत्वपूर्ण महसूस करता है, तो उसकी सीखने की क्षमता बढ़ जाती है। आत्म-सम्मान, आत्म-विश्वास और कक्षा में सक्रियता आपस में जुड़े हुए हैं। इसलिए यह व्यवस्था केवल बैठने की शैली नहीं, बल्कि सीखने की संस्कृति में बदलाव है। व्यवहारिक दृष्टि से यह व्यवस्था आसान नहीं है। देश के अधिकांश स्कूलों में कक्षाएं छोटी हैं, छात्र संख्या अधिक है और फर्नीचर सीमित। लेकिन यह असंभव भी नहीं है। यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो और शिक्षक समुदाय इस दिशा में तैयार हो, तो यह मॉडल अन्य राज्यों में भी अपनाया जा सकता है। देशभर में शिक्षा बजट का एक हिस्सा कक्षा के पुनर्गठन में लगाया जाए तो यह केवल भौतिक परिवर्तन नहीं, मानसिक और शैक्षणिक बदलाव भी लेकर आएगा। इसके लिए शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूलों की संरचना और पाठ्यचर्या में भी सुधार जरूरी है। निजी स्कूलों को भी इस पहल से सीख लेनी चाहिए। अगर वे वास्तव में छात्रों का सम्पूर्ण विकास चाहते हैं, तो इस मॉडल को अपनाना न केवल उचित होगा बल्कि जरूरी भी। माता-पिता, अभिभावकों और समाज को भी इस पहल का स्वागत करना चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि शिक्षा केवल अंक लाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक सामाजिक, मानसिक और नैतिक विकास की प्रक्रिया है। यह व्यवस्था उस सोच को भी चुनौती देती है कि शिक्षक सर्वोपरि है और छात्र केवल एक श्रोता। अब शिक्षक और छात्र दोनों संवाद के भागीदार हैं। यह आधुनिक शिक्षा की मूल भावना है, जहां शिक्षा 'सत्ता' नहीं बल्कि 'साझेदारी' है। केरल का यह प्रयोग भारत की शिक्षा नीति 2020 के विजन के भी अनुरूप है, जो रटंत विद्या से हटकर सोचने, संवाद करने और रचनात्मक बनने पर बल देती है। जब छात्र संवाद के केंद्र में होंगे, तो उनकी सोचने की क्षमता और आत्म-अभिव्यक्ति का स्तर भी बढ़ेगा। शिक्षा को लेकर हमारे समाज में अकसर एक डर का माहौल बना रहता है। मसलन-परीक्षा का डर, अंक का डर, असफलता का डर। लेकिन जब कक्षा का वातावरण सहभागी और संवादात्मक होता है, तो ये डर धीरे-धीरे खत्म होते हैं। यही डर-मुक्त शिक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है। संक्षेप में कहें तो केरल के स्कूलों में बैठने की इस नई व्यवस्था ने केवल कुर्सी-मेजें नहीं बदली हैं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के सोचने, सीखने और समाज से जुड़ने के तरीके को बदला है। यह परिवर्तन छोटे स्तर पर शुरू हुआ है, लेकिन इसके परिणाम बहुत बड़े हो सकते हैं।

मेष राशिः आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। आज आप किसी नए बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं, जिसका फायदा आपको भविष्य में जरूर मिलेगा। बेरोजगारों को रोजगार मिलने की पूरी संभावना है। सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी अच्छी कंपनी से आपको जॉब का ऑफर भी मिल सकता है।

वृष राशिः आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर भी जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर भी आ सकते हैं। लवमेट आज अपने पार्टनर को सरप्राइज दे सकते है। आज पूरा समय परिवार वालों के साथ बिताने के लिये भी प्लान कर सकते हैं।

मिथुन राशिः आज का दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आपके सारे बिगड़े हुए काम आज पूरे हो सकते है। आज आपके लिए विवाह का प्रपोजल भी आ सकता है, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आज आपके सकारात्मक विचारों से खुश होकर बॉस आपको उपहार स्वरूप कोई उपयोगी वस्तु गिफ्ट कर सकते हैं।

कर्क राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। व्यापार में थोड़ी-सी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपके बच्चे आपके व्यापार में पूरा सपोर्ट करेंगे। ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से आपको बचना चाहिए, इसलिए धैर्य के साथ काम करें। आज पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए भी आज का दिन अच्छा है, पढ़ाई में मन लगेगा।

सिंह राशिः आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। किसी अच्छी जगह आपकी जॉब भी लग सकती है। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। शाम को बच्चों के साथ अच्छा टाइम बीतेगा। किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल जरूर कर लें।

कन्या राशिः आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। संगीत और कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज फिल्म इंडस्ट्री से आपको ऑफर भी मिल सकता है। घर में लक्ष्मी के रूप में नए मेहमान के आने की खुशी में छोटी–सी पार्टी हो सकती है। आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के चांस बन रहे है।

तुला राशिः आज के दिन मन में नए–नए विचार आ सकते है, जिससे आज आप कोई नयी क्रिएटिविटी कर सकते है। राजनैतिक के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपके सीनियर्स आपके काम को लेकर आपकी तारीफ कर सकते है। साथ ही आपके पड़ोसी भी आपकी तारीफ करेंगे। आज रास्ते में आपका कोई पुराना दोस्त मिल सकता है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। अगर आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इक‍्ट्‌ठ करने में आसानी होगी। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा। ऑफिस में आज एक्सट्रा वर्क करने से रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा।

धनु राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। अगर आज किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन अच्छा है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा भी हो सकता है। आज किसी नये काम में पैसा लगाने से आपको दो गुना धनलाभ हो सकता है। आज कोर्ट-कचहरी के मामले से दूर रहें तो आपके लिए अच्छा होगा।

कुम्भ राशिः आज का दिन धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आप आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे। स्टूडेंट को आज अपनी पढ़ाई में बदलाव करने के लिए टाइम-टेबल में चेंजेस करने की जरूरत है।

मीन राशिः आज का दिन उत्तम रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी पोस्ट पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपका समय परिवार वालों के साथ अधिक बीतेगा साथ ही कहीं बाहर घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भारत की कूटनीतिक जीत

गिरीश पांडे

एससीओ और क्वाड के बाद एक बार फिर 6-7 जुलाई 2025 को ब्राजील के रियो डि जिनेरियो में आयोजित दो दिवसीय 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हुए आतंकवादी घटना की गूंज सुनाई दी। उल्लेखनीय है कि लगभग 15 दिनों के भीतर ये तीनों सम्मेलन आयोजित किए गए और भारत ने ऑपरेशन सिन्दूर के बाद पहली बार इन सम्मेलनों में भाग लिया था। इस बार ब्रिक्स सम्मेलन ब्राजील की मेजबानी में हुआ, जिसमें पुराने 5 देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) के अलावा नये सदस्य देशों मिस्र, इथियोपिया, ईरान, यूएई और इंडोनेशिया ने हिस्सा लिया। ब्राजील ने 1 जनवरी, 2025 को ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली थी। इस बार की थीम रही-'समावेशी और टिकाऊ वैकि शासन के लिए ग्लोबल साउथ का सहयोग मजबूत करना हालांकि, चीन के किगदाओ शहर में आयोजित एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साझा बयान में पहलगाम की घटना का उल्लेख न होने की वजह से उस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। इसलिए वह बयान जारी नहीं हो सका, लेकिन क्वाड के विदेश मंत्रियों की अमेरिका में आयोजित बैठक के बाद क्वाड के साझा बयान में पहलगाम साजिशकर्ताओं, हमलावरों और फंडिंग करने वालों को सजा दिलाने की मांग की गई और संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आह्वान किया गया है कि वे जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मिलकर काम करें। निश्चित तौर पर एससीओ, क्वाड तथा ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन भारत के लिए जहां कूटनीतिक जीत है, वहीं पाकिस्तान और चीन के लिए एक झटका क्योंकि आतंकवाद के मुद्दे पर ये दोनों देश बेनकाब हुए हैं। ब्रिक्स देशों के नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से निपटने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए ब्रिक्स घोषणा-पत्र में 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। यही नहीं, ब्रिक्स नेताओं ने आतंकवादियों की सीमापार आवाजाही, इसके वित्त-पोषण और सुरक्षित ठिकानों सहित सभी रूपों तथा अभिव्यक्तियों में आतंकवाद से निपटने के लिए भी अपनी वचनबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद को मानवता के समक्ष सर्वाधिक गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि आतंकवाद के शिकार लोगों और इसे शह देने वालों को एक स्तर पर नहीं रखा जा सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। मोदी का यह कथन महत्त्वपूर्ण है कि पहलगाम घटना भारत की आत्मा, पहचान और सम्मान पर घातक हमला था, आगे उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल भारत पर किया गया हमला नहीं था, बल्कि पूरे मानवता पर किया गया प्रहार था। आतंकवाद की बर्बरता पर जीरो टॉलरेंस की मांग करते हुए उन्होंने सूचित किया कि आतंकवादी संगठनों पर कड़ी पाबंदी लगाई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत हमेशा संवाद और राजनीतिक मार्ग द्वारा ही अंतरराष्ट्रीय मसलों के समाधान पर अमल करेगा, जिससे वैकि शांति बनी रहे। इसके अलावा, मोदी ने ब्रिक्स साझेदार देशों के साथ 'बहुपक्षवाद, आर्थिक-वित्तीय मामलों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आयोजित संपर्क सत्र में भाग लेते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग, बहुध्रुवीय और समावेशी वि व्यवस्था के निर्माण पर बल दिया। जहां तक आतंकवाद का प्रश्न है, अभी तक चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने वीटो का प्रयोग पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को बचाने के लिए ही किया है। अब जिस प्रकार से एससीओ, क्वाड तथा ब्रिक्स में आतंकवाद को समूल नाश करने की प्रतिबद्धता सदस्य देशों ने व्यक्त की है, देखने की बात होगी कि क्या चीन का भी इस मसले पर हृदय परिवर्तन होगा? दूसरी ओर ब्रिक्स से अमे्रिकी राष्ट्रपति भी एक प्रकार से खौफ खाए हैं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल देशों ने जब अमेरिका का नाम लिए बिना ईरान पर हुए हालिया हमले और डब्ल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ व्यापार शुल्क (टैरिफ) से वैकि व्यापार पर बुरा असर पड़ने की बात कही और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने नाटो की तरफ से सैन्य खर्च बढ़ाने के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि शांति की तुलना में युद्ध में निवेश करना हमेशा आसान होता है तो इसे लेकर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप भड़क गए। उन्होंने ब्रिक्स देशों को नई चेतावनी दे डाली। उन्होंने कहा कि अगर ब्रिक्स देश अमेरिका की विरोधी नीति का समर्थन करते हैं तो उन पर 10 फीसद अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इसमें दो राय नहीं कि ब्रिक्स शिखर सम्मेमलन का तेजी से बदलते वैकि घटनाक्रम में अत्यंत महत्त्व है और यह समूह बहुध्रुवीय वि के निर्माण के साथ-साथ ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज बनता जा रहा है और जिसका भारत बराबर पैरोकार रहा है। इसलिए आने वाले समय में भारत की ब्रिक्स में बढ़ती भूमिका स्वयंसिद्ध है। देखना है, अगले वर्ष भारत की अध्यक्षता में होने वाला ब्रिक्स आगे क्या रूप लेता है? एससीओ और क्वाड के बाद एक बार फिर 67 जुलाई 2025 को ब्राजील के रियो डि जिनेरियो में आयोजित दो दिवसीय 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलनमें 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हुए आतंकवादी घटना की गूंज सुनाई दी। उल्लेखनीय है कि लगभग 15 दिनों के भीतर ये तीनों सम्मेलन आयोजित किए गए और भारत ने ऑपरेशन सिन्दूर के बाद पहली बार इन सम्मेलनों में भाग लिया था। इस बार ब्रिक्स सम्मेलन ब्राजील की मेजबानी में हुआ, जिसमें पुराने 5 देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) के अलावा नये सदस्य देशों मिस्र, इथियोपिया, ईरान, यूएई और इंडोनेशिया ने हिस्सा लिया। ब्राजील ने 1 जनवरी, 2025 को ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली थी। इस बार की थीम रही-'समावेशी और टिकाऊ वैकि शासन के लिए ग्लोबल साउथ का सहयोग मजबूत करना हालांकि, चीन के किगदाओ शहर में आयोजित एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साझा बयान में पहलगाम की घटना का उल्लेख न होने की वजह से उस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। इसलिए वह बयान जारी नहीं हो सका, लेकिन क्वाड के विदेश मंत्रियों की अमेरिका में आयोजित बैठक के बाद क्वाड के साझा बयान में पहलगाम साजिशकर्ताओं, हमलावरों और फंडिंग करने वालों को सजा दिलाने की मांग की गई और संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आह्वान किया गया है कि वे जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मिलकर काम करें। निश्चित तौर पर एससीओ, क्वाड तथा ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन भारत के लिए जहां कूटनीतिक जीत है, वहीं पाकिस्तान और चीन के लिए एक झटका क्योंकि आतंकवाद के मुद्दे पर ये दोनों देश बेनकाब हुए हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

लॉर्ड्स टेस्ट में मिली हार के बाद बोले कप्तान गिल– ''निचले क्रम का जुझारूपन और साहस काबिले तारीफ''

लंदन। भारत के कप्तान शुभमन गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट में टीम की कड़ी लड़ाई और खासतौर पर निचले क्रम के खिलाड़ियों के जुझारूपन की सराहना की। भारत इस रोमांचक मुकाबले में अंतिम सत्र तक मुकाबला करता रहा, लेकिन जीत से महज 22 रन दूर रह गया। पांचवें दिन के पहले सत्र में भारत की स्थिति बेहद खराब रही और टीम 82 रन पर सात विकेट खो बैठी थी। जीत के लिए अभी भी 111 रन की दरकार थी, लेकिन रवींद्र जडेजा ने नितीश रेड्डी, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ क्रमशः 30, 35 और 23 रनों की साझेदारी कर भारत को जीत के करीब ला दिया। गिल ने मैच के बाद कहा, "जडेजा भारत के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक हैं। इस सीरीज में उन्होंने लगातार चौथी फिफ्टी लगाई है और जिस तरह से उन्होंने संयम और धैर्य दिखाया, वह शानदार था। उन्होंने 55 में से 30 ओवर बल्लेबाजी की और 99 में से 61 रन बनाए। यह दिखाता है कि वह कितने भरोसेमंद खिलाड़ी हैं। निचले क्रम के साथ बल्लेबाजी करना हमने पहले दो मैचों में चर्चा की थी और आज जो साहस और जज्बा उन्होंने दिखाया, वो प्रशंसनीय है।" गिल ने माना कि अंतिम दो दिन बल्लेबाजी में लय नहीं मिलने के कारण 192 रन का लक्ष्य मुश्किल बन गया। यशस्वी जायसवाल के शुरुआती विकेट के बाद राहुल और करुण नायर ने कुछ स्थिरता दी थी, लेकिन चौथे दिन स्टंप्स तक भारत 58/4 पर पहुंच चुका था, जिसमें गिल और नाइटहॉक आकाश दीप भी आउट हो गए थे। उन्होंने कहा, "अगर शीर्ष क्रम में एक-दो 50 रन की साझेदारी हो जाती, तो बाद में बल्लेबाजी आसान हो जाती, यह

पहली बार था जब हमने सीरीज में वैसा प्रदर्शन नहीं किया, जैसा करते आए हैं। लेकिन ऐसा होता है। हमें लगा कि 192 का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, अगर हम शुरुआती 20-25 ओवर संभाल लेते।" मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच हुई स्लेजिंग को लेकर गिल ने कहा, "थोड़ी बहुत गर्मा क्रिकेट का हिस्सा होती है। दोनों टीमें अपना सबकुछ झोंक देती हैं। ऐसे में थोड़ा तनाव होना स्वाभाविक है, लेकिन इसमें कोई दुश्मनी नहीं है। अगली बार जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी, तो आपस में वही सम्मान रहेगा।" सीरीज में फिलहाल भारत 1-2 से पीछे है, लेकिन गिल का मानना है कि उन्होंने ज्यादातर दिनों में बेहतर क्रिकेट खेला है। उन्होंने कहा, "अगर हम 15 दिन देखें तो हो सकता है हमने ज़्यादा दिन बेहतर खेले हों, लेकिन जो सत्र हमारे हाथ से निकले, वे बहुत बुरी तरह निकले। हमें यह समझने की जरूरत है कि जब चीजें हमारे अनुसार नहीं चल रही हों, तब कैसे नुकसान को सीमित किया जाए। अगर आखिरी साझेदारी में 10 रन और जुड़ जाते, तो दबाव इंग्लैंड पर होता। ऐसे में विपक्षी टीम भी गलती कर सकती थी। कुल मिलाकर हम पांच दिन की कड़ी मेहनत के बाद गर्व के साथ कह सकते हैं कि हमने पूरा प्रयास किया।"

तीसरा टेस्ट विवादों से भरा रहा, जडेजा से टकराये कार्स

लॉर्ड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच यहां लॉर्ड्स में हुए तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में कई विवाद भी हुए। अंतिम दिन जब भारतीय टीम के रविन्द्र जडेजा बल्लेबाजी कर रहे थे तो मेजबान टीम के गेंदबाज ब्रायडन कार्स उनसे टकरा गये थे।ये मामला 35वें ओवर का है। तब अंतिम गेंद पर जडेजा और कार्स की टक्कर हो गयी थी। जडेजा ने स्क्वायर ड्राइव खेलते हुए एक रन लेने का प्रयास किया तभी वह कार्स से टकरा गए। ये टक्कर इतनी तेज थी कि कार्स का हाथ जडेजा की गर्दन तक पर टकरा गया। जडेजा ने इसको लेकर कहा कि उनकी नजर गेंद पर थी और वह जानबूझकर नहीं टकराये थे। ममला बढ़ता देख इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और अंपायरों ने दोनों खिलाड़ियों से बात कर मामला हल किया। इससे पहले चौथे दिन सुबह मोहम्मद सिराज और मेजबान बल्लेबाज बेन डकट के बीच कंधे टकराने से विवाद हो गया था।

वहीं तीसरे दिन जैक क्रॉली को समय बर्बाद करता देखकर भारतीय कप्तान शुभमन गिल भड़क गये थे।

शुभमन फैसला करें कोहली या धोनी किसकी तरह खेलेंगेः मांजरेकर

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को ये तय करना होगा कि वह विराट कोहली की तरह आक्रामक बनना चाहेंगे या महेन्द्र सिंह धोनी जैसे शांत स्वभाव वाले क्रिकेटर। उन्हें ये देखना होगा कि वह किसमें बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं आक्रामक अंदाज में या शांत होकर। मांजरेकर के अनुसार स्वाभाव का बल्लेबाजी पर भी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि दूसरी पारी में शुभमन के आउट होने के पीछ मैच में हुआ विवाद भी एक कारण रहा। इसी कारण उनका मन एकाग्र नहीं था। इसी कारण शुरुआती दो मैचों में एक दोहरे शतक सहित 3 शतक लगाने वाले शुभमन लॉर्ड्स में बल्लेबाजी में विफल रहे। दूसरी पारी में तो वह सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 9 गेंदों का सामना किया। इसमें 6 बार तो उन्होंने जिस तरह से गेंदों को खेला, उससे लगा कि वह खुद ही तय नहीं थे कि गेंद कैसी आ रही है और वह उसे खेलना किधर है। अंत में ब्राइडन कार्स की

गेंद पर वह एलबीडबल्यू हुए। मांजरेकर ने कहा कि उनके संशय में होने का कारण कहीं न कहीं एक दिन पहले मैदान पर दोनों टीमों के बीच हुआ विवाद भी रहा। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'शुभमन अचानक ही अनिश्चित से दिखने लगे और इसके इंग्लैंड की तरफ से खराब रुख राह जिसके कारण विवाद पैदा हुआ था।' मांजरेकर ने इस क्रिकेटर के टेंपरामेंट की तुलना विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी से करते हुए कहा कि विराट गुस्से में और बेहतर प्रदर्शन करते थे वहीं धोनी इससे अलग थे।

जमैका में शर्मनाक हार के बाद रोस्टन चेस बोले– ''टीम का प्रदर्शन दिल तोड़ने वाला और शर्मनाक''

किंग्स्टन (जमैका)। वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में टीम की शर्मनाक हार को "दिल तोड़ने वाला" और "शर्मनाक" बताया है। सबीना पार्क में खेले गए इस मुकाबले में वेस्टइंडीज की टीम महज़ 27 रन पर ऑलआउट हो गई और तीन मैचों की सीरीज़ 0-3 से गंवा दी। 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की पूरी टीम महज़ 14.3 ओवर में 27 रन पर सिमट गई। यह टेस्ट क्रिकेट इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले 1955 में न्यूज़ीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ 26 रन पर ढेर हुई थी। वेस्टइंडीज की यह अब तक की सबसे खराब पारी रही, जो उनके पिछले न्यूनतम स्कोर 47 से भी 20 रन कम है। टीम की बल्लेबाज़ी इतनी निराशाजनक रही कि शीर्ष छह बल्लेबाज़ों ने

मिलकर सिर्फ 6 रन बनाए, जो टेस्ट इतिहास में एक रिकॉर्ड है। साथ ही यह पहला मौका था जब किसी टीम की पारी में सात खिलाड़ी खाता खोले बिना आउट हुए। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ मिशेल स्टार्क ने भी इतिहास रचते हुए सबसे तेज़ टेस्ट 'पांच विकेट' अपने नाम किया। उन्होंने महज़ 15 गेंदों में वेस्टइंडीज के शीर्ष पांच विकेट चटकाए, जिनमें से तीन विकेट पहले ही ओवर में आए। स्टार्क ने 6 विकेट लिए। चेस ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,"यह बहुत निराशाजनक है। हम हर टेस्ट में ऐसे मौके बना रहे हैं जहां से जीत की संभावना होती है, लेकिन आखिरी पारी में हम बिल्कुल बिखर जाते हैं। यह काफी दिल तोड़ने वाला है। हम लगातार एक जैसी गलतियां दोहरा रहे हैं, जो दर्शाता है कि हम उनसे सीख नहीं रहे। 30 रन से भी कम पर आउट होना निश्चित रूप से शर्मनाक है।" हालांकि चेस ने पिच को लेकर कोई बहाना नहीं बनाया और कहा कि 204 रनों का लक्ष्य पूरी तरह से संभव था। उन्होंने कहा, "विकेट अच्छी थी, उतनी मुश्किल नहीं थी जितनी पिछली दो टेस्टों में थी, जहाँ गेंद नीची रहती थी या अजीब उछाल लेती थी। हम मानते थे कि 204 रन बनाए जा सकते हैं। लेकिन जब आप 11 रन पर 6 विकेट गंवा देते हैं, तो फिर कुछ करना मुश्किल हो जाता है।" तीन टेस्ट की सीरीज़ में वेस्टइंडीज की बल्लेबाज़ी पूरी तरह से लड़खड़ा गई। उनकी पारियों के स्कोर इस प्रकार रहेः 190, 141, 253, 143, 143 और 27। पूरे सीरीज़ में सिर्फ ब्रैंडन किंग ही एकमात्र वेस्टइंडीज बल्लेबाज़ रहे जिन्होंने अर्धशतक (75 रन) लगाया और उनका औसत 21.50 रहा, जो टीम में सबसे अधिक था। इसके विपरीत, ऑस्ट्रेलिया के चार बल्लेबाज़ों का औसत 30 से ऊपर रहा और ट्रैविस हेड ने सबसे ज्यादा रन (दो अर्धशतक) बनाए। चेस ने यह भी माना कि पिचें बल्लेबाज़ों के लिए चुनौतीपूर्ण थीं, लेकिन अपने गेंदबाज़ों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा, "यह शायद पहला मौका है जब मैं ऐसी टेस्ट सीरीज़ में खेला जहां किसी भी बल्लेबाज़ ने शतक नहीं लगाया।

व्यापार

शेयर बाजार में 4 दिनों की गिरावट के बाद लौटी तेजी, बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इसके साथ ही पिछले चार कारोबारी दिनों से जारी गिरावट के सिलसिले पर भी ब्रेक लग गया। आज के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली-जुली शुरुआत हुई थी। शुरुआती 1 घंटे के कारोबार में बाजार पर दबाव बना रहा। इसके बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत और निफ्टी 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल, पीएसयू बैंक, रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.95 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 460.37 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 457.64 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.73 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,215 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,580 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,475 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 160 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,659 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,774 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 885 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 20.30 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 82,233.16 अंक

के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद पहले एक घंटे की ट्रेडिंग में ज्यादातर समय बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 11 के कुछ देर बाद सेंसेक्स 490.16 अंक की मजबूती के साथ 82,743.62 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। हालांकि कारोबार के आखिरी आधे घंटे में एक बार फिर खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की चाल में दोबारा तेजी आ गई। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 317.45 अंक की बढ़त के साथ 82,570.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 7.20 अंक की मामूली तेजी के साथ 25,089.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती 1 घंटे के कारोबार में ये सूचकांक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर दोपहर 11 बजे के कुछ देर बाद निफ्टी 162.90 अंक उछल कर 25,245.20 अंक तक पहुंच गया। दिन के दूसरे सत्र में मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई मामूली बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से करीब 50 अंक लुढ़क कर 113.50 अंक की तेजी के साथ 25,195.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।दिनभर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हीरो मोटोकॉर्प 4.76 प्रतिशत, बजाज ऑटो 2.76 प्रतिशत, सन फार्मास्यूटिकल्स 2.67 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.19 प्रतिशत और अपोलो हॉस्पिटल 1.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एचसीएल टेक्नोलॉजी 3.30 प्रतिशत, एटरनल 1.53 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.43 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.03 प्रतिशत और टाटा स्टील 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में नई ऊंचाई पर चांदी, सोने की घटी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली गिरावट नजर आ रही है। वहीं चांदी ने आज जोरदार छलांग लगा कर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना दिया है है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण आज देश ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,770 रुपये से लेकर 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,450 रुपये से लेकर 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,19,000 रुपये प्रति किलोग्राम की नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक

रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,770 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश का निर्यात जून में 35.14 अरब डॉलर पर स्थिर, व्यापार घाटा 18.78 अरब डॉलर

नई दिल्ली। देश का वस्तु का निर्यात जून महीने में 35.14 अरब डॉलर पर लगभग स्थिर रहा, जो पिछले साल इसी महीने में 35.16 अरब डॉलर रहा था। हालांकि, आयात 3.71 फीसदी घटकर 53.92 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल 56 अरब डॉलर रहा था। वहीं, व्यापार घाटा 18.78 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया कि जून में भारत का व्यापार घाटा घटकर 18.78 अरब डॉलर रह गया, जो मई में 21.88 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के मुताबिक व्यापारिक निर्यात जून में लगभग स्थिर 35.14 अरब डॉलर रहा है, जबकि पिछले साल जून में

35.16 अरब डॉलर था। इस दौरान आयात 3.71 फीसदी घटकर 53.92 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले 56 अरब डॉलर था। मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक सेवा क्षेत्र में भारत ने जून महीने में 15.62 अरब डॉलर का अनुमानित अधिशेष दर्ज किया है, जिसमें सेवा निर्यात 32.84 अरब डॉलर तथा आयात 17.58 अरब डॉलर रहा है। वहीं, जून में वस्तुओं और सेवाओं का संयुक्त निर्यात 67.98 अरब डॉलर रहा, जबकि संयुक्त आयात 71.50 अरब डॉलर रहा, जिसके परिणामस्वरूप जून माह के लिए शुद्ध व्यापार घाटा 3.51 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान निर्यात 1.92 फीसदी बढ़कर 112.17 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जबकि आयात 4.24 फीसदी बढ़कर 179.44 अरब डॉलर रहा। अप्रैल-जून के दौरान संचयी निर्यात (वस्तुएं और सेवाएं) 210.31 अरब यूएस डॉलर रहने का अनुमान है, जबकि अप्रैल-जून 2024 में यह 198.52 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो 5.94 फीसदी की अनुमानित वृद्धि है।

टेस्ला ने भारत में रखा कदम, मुंबई में खोला अपना पहला शोरूम

मुंबई। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी टेस्ला ने मंगलवार को अपना पहला शोरूम मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में खोल दिया। इस शोरूम को 'एक्सपीरियंस सेंटर' कहा जा रहा है। टेस्ला की Y मॉडल कार अब भारत में बिकेगी। कंपनी ने कार की शुरुआती कीमत 59.89 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, मुंबई) रखी है, जो अमेरिका की तुलना में 28 लाख रुपये ज्यादा है। उद्घाटन समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र चाहता है कि टेस्ला, भारत में अपने अनुसंधान एवं विकास तथा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करे। उन्होंने कहा कि टेस्ला ने सही राज्य और सही शहर में कदम रखा है,

क्योंकि कई वर्षों से जिसका इंतजार हम कर रहे थे, वो कार आज टेस्ला ने मुंबई से लॉन्च की है। भारतीय बाजार में उन्होंने मुंबई से अपनी शुरूआत करने की घोषणा की है। टेस्ला मुंबई में एक्स्पीरियंस सेंटर के साथ-साथ डिलीवरी की व्यवस्था, लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था और सर्विसिंग की व्यवस्था ला रहा है। टेस्ला ने महाराष्ट्र और मुंबई को चुना, क्योंकि आज इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में महाराष्ट्र लीडर बन चुका है। मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में टेस्ला का पूरा इको-सिस्टम महाराष्ट्र में देखने को मिलेगा। इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी टेस्ला ने शहर के मध्य बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में 4,000 वर्ग फुट में 'एक्सपीरियंस सेंटर' खोला है। हालांकि, अभी कार की डिलीवरी की टाइमलाइन या टेस्ट ड्राइव के विकल्प उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। टेस्ला के इस कदम को देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते बाजार की दिशा में बड़ा संकेत माना जा रहा है। इलेक्ट्रिक कार टेस्ला का मॉडल Y के दो वेरिएंट्स भारत में उपलब्ध हैं। इन दोनों की टॉप स्पीड 201 किमी प्रति घंटा है। इसमें मॉडल Y रियर व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) की कीमत 59.89 लाख रुपये और मॉडल Y लॉन्ग रेंज (आरडब्ल्यूडी) की कीमत 67.89 लाख रुपये है।

इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा ने उड़ानों में देरी के कारण यात्रा परामर्श जारी किया

नई दिल्ली/मुंबई । मुंबई में भारी बारिश के कारण इंडिगो, स्पाइसजेट और आकासा एयर ने कई उड़ानों में अस्थायी व्यवधान के कारण यात्रा परामर्श जारी किया है। मुंबई में भारी बारिश के चलते मौसम विभाग (आईएमडी) ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इंडिगो, स्पाइसजेट और आकासा एयर ने मंगलवार को जारी बयान में भारी बारिश के बीच उड़ानें बाधित होने के कारण यात्रा परामर्श जारी किया है। मौसम विभाग ने मुंबई में भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया हुआ है। आईएमडी के मुताबिक अगले कुछ घंटों में मुंबई और ठाणे में मध्यम बारिश के साथ बारिश जारी रहने की संभावना है। एयरलाइंस कंपनियों ने भारी बारिश की संभावना के बीच यात्रियों को उड़ानों में देरी की चेतावनी और यात्रा संबंधी सलाह जारी की है। इंडिगो ने जारी बयान में बताया है कि मुंबई में भारी बारिश के कारण कई उड़ानों में अस्थायी व्यवधान के कारण यात्रा संबंधी अपनी सलाह जारी की गई है। एयरलाइन ने कहा है कि आज, 15 जुलाई को उड़ान भरने वाले यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे संभावित देरी का अनुमान लगाएं और अपनी यात्रा के लिए अतिरिक्त समय का ध्यान रखें, क्योंकि खराब मौसम के कारण सड़क यातायात सामान्य से धीमी गति से चल रहा है। इंडिगो ने बताया कि वे स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहे हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि उड़ानें जल्द से जल्द सामान्य रूप से फिर से शुरू हो जाएं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे हवाई अड्डे पर जाने से पहले इंडिगो एयरलाइन की वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर अपनी उड़ान की स्थिति की जांच जरूर कर लें।

एटली की फिल्म में 4-4 अल्लू अर्जुन, एक और बड़ा धमाका करने को तैयार पुष्पा

पैन इंडिया स्टार अल्लू अर्जुन ने कई हिट फिल्में दी हैं, लेकिन पुष्पा ने उन्हें सफलता के उस मुकाम पर पहुंचा दिया, जहां पहुंचना हर किसी के बस की बात नहीं। भारत की सबसे कमाऊ फिल्म पुष्पा 2ः द रूल दे चुके अल्लू की अगली फिल्म से जुड़े हर छोटे-बड़े अपडेट पर प्रशंसक नजर बनाए हुए हैं। अब खबर है कि एटली की फिल्म में अल्लू ऐसा कारनामा करने वाले हैं, जिसे जानकर उनके प्रशंसक यकीनन खुशी से उछल पड़ेंगे। अल्लू ने पुष्पा 2 से धमाका कर दिया था। फिल्म ने दुनियाभर में 1,800 करोड़ से ज्यादा की कमाई करके इतिहास रच दिया था। अब अल्लू से दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं और इसी को ध्यान में रखते हुए अल्लू ने अपने तमाम चाहने वालों के लिए कुछ बड़ी योजना बनाई है। रिपोर्ट में बताया है कि एटली की फिल्म में अल्लू 1, 2 या 3 नहीं, बल्कि 4 अलग-अलग किरदार निभाने वाले हैं। अल्लू पर्दे पर दादा, पिता और 2 बेटों का किरदार निभाने जा रहे हैं। ये उनके करियर की पहली फिल्म होगी, जिसमें वह इतनी सारी भूमिकाओं में दिखेंगे। उधर प्रशंसकों के लिए भी पर्दे पर अल्लू को इन 4 किरदारों में देखना एक शानदार अनुभव होगा। एटली पहले चाहते थे कि अल्लू डबल रोल करें और बाकी 2 किरदारों के लिए दूसरे कलाकारों को ले लिया जाए। हालांकि, अल्लू ने कहा कि वो खुद ही चारों किरदार निभाना चाहेंगे। लुक टेस्ट के समय एटली को समझ आया कि ऐसा करना सही रहेगा, क्योंकि प्रशंसकों को अल्लू के 4-4 अवतार देखने को मिलेंगे। यह पहला मौका होगा, जब फिल्म में अल्लू के साथ दीपिका पादुकोण नजर आएंगी, वहीं रश्मिका मंदाना भी फिल्म से जुड़ गई हैं। वह इसमें नकारात्मक भूमिका निभाएंगी। साथ ही जाह्नवी कपूर और मृणाल ठाकुर के भी फिल्म में होने की चर्चा है। हालांकि, दीपिका के अलावा किसी के भी किरदार पर मोहर नहीं लगी है। एटली के निर्देशन में बनी पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म शाहरुख खान अभिनीत जवान थी। अब अल्लू वाली फिल्म में भी एटली का सिग्नेचर स्टाइल देखने को मिलेगा। जनता इस फिल्म से ताबड़तोड़ एक्शन, तगड़े सीक्वेंस और खूब सारे ड्रामे की उम्मीद कर सकती है। अल्लू ने इसके लिए निर्माताओं से 175 करोड़ रुपये लिए हैं। इसके साथ ही वह मुनाफे में 15 प्रतिशत की हिस्सेदारी भी लेंगे। इस तगड़ी वीएफएक्स वाली फिल्म में एटली एक अलग ही दुनिया रचने वाले हैं।

फिल्म सरफिरा को एक साल पूरे, एक्ट्रेस राधिका मदान बोलीं- समय कितनी जल्दी बीतता है

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा को रिलीज हुए एक साल पूरा हो गया है। इस खास मौके पर अभिनेत्री राधिका मदान ने अपने किरदार रानी के बारे में बात की और बताया कि यह रोल उनके लिए अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा। उन्होंने कहा, सरफिरा को एक साल पूरा हो गया है। समय कितनी जल्दी बीतता है। ऐसा लग रहा है, जैसे अक्षय और मैं अभी कुछ दिन पहले ही शूटिंग कर रहे हों। रानी का किरदार मेरे करियर का सबसे मुश्किल रोल था। बता दें कि फिल्म सरफिरा में राधिका ने अक्षय कुमार की ऑन-स्क्रीन पत्नी का रोल अदा किया था। वह एक महाराष्ट्रीयन महिला बनी थीं। उन्होंने बोलने के तरीके, पहनावे और व्यवहार में मराठी लोगों की संस्कृति और अंदाज को बेहतरीन तरीके से पर्दे पर दिखाया। राधिका ने कहा, मैं दिल्ली की लड़की हूं और हर प्रोजेक्ट में अलग-अलग बोलियों के साथ खुद को चुनौती देती रही हूं, जैसे उत्तर प्रदेश की बोली, जयपुरी लहजा और अब मराठी। ये सब करना मेरे लिए बहुत रोमांचक था। मुंबई में बहुत लोग मराठी बोलते हैं, इसलिए मैं लोकल लोगों के साथ समय बिताती थी ताकि मैं असली मराठी ढंग को समझ सकूं और अपनी मराठी को बेहतर बना सकूं। अभिनेत्री ने कहा कि अक्षय कुमार, परेश रावल और फिल्म के निर्माता विक्रम मल्होत्रा जैसे मशहूर और अनुभवी कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है।

धंधे से दूधवाला हूं, बंदा बारूद वाला हूं, इमरान हाशमी की नई फिल्म गनमास्टर जी9 का ऐलान

इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया की जोड़ी एक बार फिर सिनेमाघरों में धमाल मचाने आ रही है। जी हां, इमरान हाशमी की नई फिल्म की घोषणा हुई है, जिसमें हिमेश रेशमिया का संगीत फिर से सुनाई देगा। आदित्य दत्ता द्वारा निर्देशित फिल्म 'गनमास्टर जी 9 का अनाउंसमेंट वीडियो सामने आया है। जिसमें इमरान हाशमी के साथ जेनेलिया डीसूजा और अपारशक्ति खुराना भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। मेकर्स ने फिल्म से जुड़े तीन अलग-अलग क्लिप्स शेयर किए हैं। इनमें फिल्म के तीनों मुख्य कलाकारों इमरान हाशमी, जेनेलिया डिसूजा और अपारशक्ति खुराना के वॉइस ओवर सुनाई देते हैं। पहली क्लिप में एक बाल्टी रखी दिखती है, जिसपर जी9 लिखा हुआ है। इसके साथ इमरान हाशमी की आवाज में वॉइस ओवर आता है 'मुझसे मच-मच किया चलेगा, गलती से फैमिली को टच किया, तो याद रखना धंधे से दूधवाला हूं, बंदा बारूद वाला हूं। इसके साथ ही एक हाथ दिखाई देता है जिस पर टैटू बने हुए हैं और हाथों में बंदूक है। इसी तरह की एक अगली क्लिप शेयर हुई है, जिसमें जी9 लिखी हुई बाल्टी रखी हुई है। इसमें जेनेलिया का वॉइस ओवर आता है, जिसमें वो कहती हैं, 'घर की बहू हूं, इसका ये मतलब नहीं कि सिर्फ निर्मल और शीतल। घर की सब्जी आएगी, तो सब्जी काटूंगी। लेकिन अगर घर पर गुंडे बदमाश आए तो, सब्जी थोड़े न काटूंगी। इस क्लिप के साथ ही कई सारी चूड़ियां पहने एक हाथ बाल्टी में से निकलता है, जिसमें हाथों में धारदार हथियार है। इसी तरह जो तीसरी क्लिप है उसमें अपारशक्ति खुराना का वॉइस ओवर और उनका एंट्रो है। इस बार जी9 लिखी बाल्टी से एक हाथ निकलता है, जो बम पकड़े हुए है। इसमें अपारशक्ति का वॉइस ओवर कहता है, 'लोहे की काठी दे सूराटी। हाथ में है बम और गुड़गांव में लोग हमसे 70 फिट दूर रहते हैं। क्योंकि बम और हम कभी भी फट सकते हैं। इन तीनों एक्टर्स के इंट्रो के साथ ही लास्ट में रेशमिया का म्यूजिक और उनकी आवाज भी सुनाई देती है। मेकर्स ने इसे नए जमाने का एक्शन बताया है। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित और हिमेश रेशमिया के संगीत से सजी 'गनमास्टर जी 9 की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने सिर्फ इतना साफ किया है कि ये फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

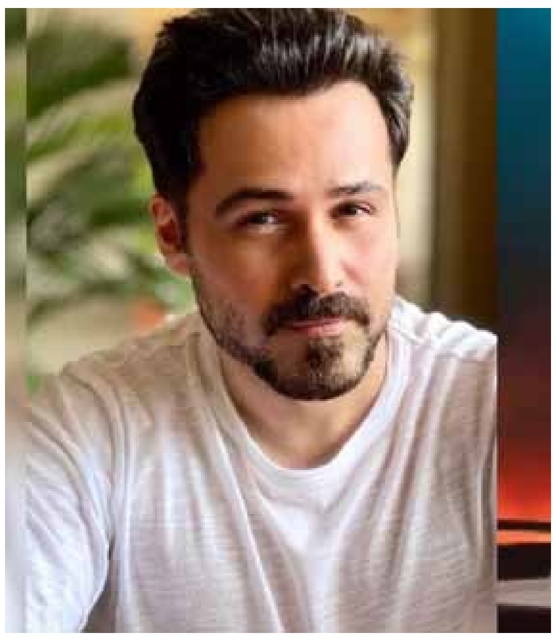

बॉक्स ऑफिस पर बढ़ी राजकुमार राव की मालिक की रफ्तार, आंखों की गुस्ताखियां का हाल-बेहाल

राजकुमार राव की फिल्म मालिक और विक्रांत मैसी की फिल्म आंखों की गुस्ताखियां एक ही दिन 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुईं। दोनों ही फिल्मों को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। हालांकि, कमाई के मामले में मालिक आगे रही। आंखों की गुस्ताखियां ने तो पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ दिया था। 2 दिन में इस फिल्म की हालत पस्त हो चुकी है। आइए जानते हैं दूसरे दिन किस फिल्म ने कितनी कमाई की। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, दूसरे दिन मालिक की कमाई में उछाल आया। जहां फिल्म ने पहले दिन 3.75 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं दूसरे दिन इसने 5.25 करोड़ रुपये कमाए। इस हिसाब से फिल्म ने भारत में 2 दिन में 9 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। फिल्म को वीकेंड का फायदा मिला है। उम्मीद की जा रही है कि रविवार को फिल्म और अच्छा कारोबार करेगी। इस फिल्म का बजट 54 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म में राजकुमार के साथ मानुषी छिल्लर, प्रोसेनजीत चटर्जी, हुमा कुरैशी और सौरभ शुक्ला भी अहम भूमिका में हैं। इसमें राजकुमार की रंगबाजी नजर आ रही है। बाकी फिल्मों में ऐसे किरदार गरीबों के मसीहा निकलते है, लेकिन इस मालिक न तो गरीबों का मसीहा है और ना ही किसी के लिए उसके दिल में दया, वो अपने विरोधियों के ऐसे मौत के घाट उतारता है, जिसे दिखकर रूह कांप जाए। फिल्म के डायलॉग और एक्शन सीन लाजवाब हैं। विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की फिल्म आंखों की गुस्ताखियां का हाल देख तो लग रहा है कि यह बॉक्स ऑफिस पर सुपरफ्लॉप साबित होगी। अपने पहले दिन सिर्फ 30 लाख रुपए जुटा पाने वाली आंखों की गुस्ताखियां की दूसरे दिन की कमाई भी निराशाजनक ही रही है। आंखों की गुस्ताखियां दूसरे दिन 43 लाख रुपये ही बटोर पाई है। इस तरह से 2 दिनों में फिल्म की कमाई सिर्फ 73 लाख रुपए तक पहुंच सकी है। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म मेट्रो... इन दिनों की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। अलग-अलग उम्र के प्यार को दिखाती ये खूबसूरत कहानी ने समीक्षकों की भी तारीफें खूब पाई हैं। धीरे-धीरे ही सही फिल्म की कमाई अपनी रफ्तार में दिख रही है। रिलीज के 8वें दिन 2.35 करोड़ रुपये कमाने वाली इस फिल्म ने 9वें दिन यानी शनिवार को 5.09 करोड़ रुपये अपने खाते से जोड़े। भारत में फिल्म ने 34.44 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

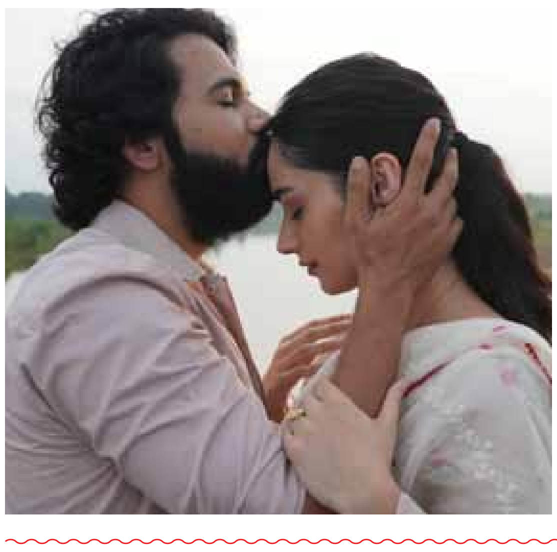

डीप रेड ड्रेस में नुसरत भरुचा का हॉट अवतार

इंस्टाग्राम पर शेयर की स्टनिंग तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा ने एक बार फिर अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. हाल ही में नुसरत ने अपने इंस्टाग्राम पर डीप रेड स्ट्रैपलेस ड्रेस में कुछ बेहद स्टनिंग तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका कॉन्फिडेंस और स्टाइल साफ झलकता है. इस लुक को उन्होंने कैप्शन दिया, निर्माण वस्त्रः ईंट दर ईंट, अलग-अलग निर्माण! फोटोज में उनके बैकग्राउंड में जलती हुई स्पार्कल्स और उनके रेड लिप्स लुक को और भी अट्रैक्टिव बना रहे हैं.फैंस और सेलेब्रिटीज दोनों ने उनकी पोस्ट पर प्यार बरसाया. किसी ने उन्हें 'स्टनिंग कहा तो किसी ने 'फैशन क्वीन. पोस्ट पर कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं, जो उनके फैंस की दीवानगी को बयां करते हैं. नुसरत का ये ग्लैमरस अवतार इस बात का सबूत है कि वह न सिर्फ एक टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं, बल्कि फैशन आइकन भी हैं. उनका स्टाइल हर बार फैंस के दिल जीत लेता है और सोशल मीडिया पर खूब वायरल होता है. अब देखना दिलचस्प होगा कि नुसरत अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स में और किन-किन लुक्स से फैंस को चौंकाती हैं. नुसरत भरुचा की इन तस्वीरों ने फैशन इंडस्ट्री में भी चर्चा बटोरी है. उनकी ड्रेस का यूनिक कट और डीप नेकलाइन उनके लुक को और भी ग्लैमरस बनाता है, वहीं मिनिमल ज्वेलरी और ओपन हेयरस्टाइल ने इस लुक को कंप्लीट किया है. फोटोशूट की शानदार लाइटिंग और बैकग्राउंड इफेक्ट्स ने तस्वीरों में चार चांद लगा दिए हैं. नुसरत का ये कॉन्फिडेंस और एक्सप्रेशन साबित करता है कि वह सिर्फ रेड कार्पेट पर ही नहीं, बल्कि कैमरे के सामने भी बेजोड़ अंदाज से छा जाने का हुनर रखती हैं. यही वजह है कि उनके फैन्स बेसब्री से उनके हर नए लुक और प्रोजेक्ट का इंतजार करते रहते हैं.

फिल्म सन ऑफ़ सरदार 2 दूसरा गाना पहला तू दूजा तू रिलीज़, अजय देवगन और मृणाल ठाकुर ने बिखेरा जादू

सन ऑफ़ सरदार 2 के टाइटल ट्रैक में जस्सी को देखकर प्रशंसकों के बीच पुरानी यादें ताज़ा हो गईं, और फ़िल्म में आने वाले नए गानों के लिए उत्साह और बढ़ गया। चीजों को एक कदम और आगे बढ़ाते हुए, निर्माताओं ने आज प्यार के बारे में एक अनूठा नज़रिया पेश करते हुए दूसरा गाना, पहला तू दूजा तू रिलीज़ किया। अजय देवगन और मृणाल ठाकुर के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए, इस गाने में अनकहे शब्दों, चंचल छेड़खानी और प्यार को फिर से परिभाषित करने वाली एक ताज़ा ऊर्जा के माध्यम से व्यक्त की गई भावनाएँ कैद हैं। स्कॉटलैंड की शानदार सड़कों पर सेट, अजय देवगन और मृणाल ठाकुर ने पहला तू दूजा तू में एक ताज़ा और दिल को छू लेने वाली ऊर्जा पेश की है, यह एक ऐसा गाना है जो प्यार को एक नई भाषा देता है और सीधे किसी की प्लेलिस्ट और दिल में जगह बना लेता है। बहुमुखी प्रतिभा के धनी विशाल मिश्रा द्वारा गाया गया और प्रशंसित जानी द्वारा रचित और लिखा गया, सन ऑफ सरदार 2 का यह दूसरा गीत माधुर्य, भावनाओं और प्रेम का एक आदर्श मिश्रण है जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ता है। विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रवि किशन, संजय मिश्रा, मृणाल ठाकुर, नीरू बाजवा, चंकी पांडे, कुबरा सैत, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, रोशनी वालिया, शरत सक्सेना, साहिल मेहता और दिवंगत मुकुल देव जैसे दमदार कलाकार हैं। अगर पहली फिल्म ने मस्ती की थी, तो यह इसे दोगुना करने का वादा करती है। जियो स्टूडियोज और देवगन फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, देवगन फिल्म्स और एसओएस 2 लिमिटेड प्रोडक्शन, सन ऑफ सरदार 2 का निर्माण अजय देवगन और ज्योति देशपांडे ने किया है। एन आर पचीसिया और प्रवीण तलरेजा द्वारा निर्मित और कुमार मंगत पाठक द्वारा सह-निर्मित। सन ऑफ सरदार 2 25 जुलाई 2025 को रिलीज़ होगी।

Amarnath Yatra: 2.20 lakh devotees visited Baba Barfani

Srinagar, There is tremendous enthusiasm among the people regarding the Amarnath Yatra. In the last 12 days, more than 2.20 lakh devotees have visited Baba Barfani. Along with this, on Tuesday another batch of 6,388 pilgrims from Jammu left for Kashmir for the Amarnath Yatra. Officials said that since the Amarnath Yatra started on July 3, more than 2.20 lakh devotees have visited Baba Barfani. On Tuesday, another batch of 6,388 pilgrims left for Kashmir Valley in two convoys from Bhagwati Nagar Yatri Niwas, officials said. The first convoy, which had 2,501 pilgrims in 103 vehicles, left for Baltal base camp at 3:26 am. The second convoy, which had 3,887 pilgrims in 145 vehicles, left for Nunwan (Pahalgam) base camp at 4:15 am. The weather department has predicted light to moderate rain in Jammu and Kashmir in the next 24 hours. Officials said pilgrims will be allowed to move towards the holy cave (Pahalgam) base camps only after looking at the weather conditions. The administration has made tight security arrangements for the Amarnath Yatra. This yatra is taking place after the Pahalgam attack in which Pakistan-backed terrorists killed 26 civilians. 180 additional CAPF companies have been brought in to augment the existing strength of Army, BSF, CRPF, SSB and local police. The entire route from Bhagwati Nagar Yatri Niwas in Jammu to the cave shrine and all transit camps en route to both the base camps have been secured by security forces. 180 additional CAPF companies have been brought in to augment the existing strength of Army, BSF, CRPF, SSB and local police. The entire route has been secured by security forces. People using the Pahalgam route reach the cave temple via Chandanwari, Sheshnag and Panchtarni and cover a distance of 46 kilometres on foot. It takes four days for pilgrims to reach the cave temple. Those using the shorter Baltal route have to trek 14 kilometres to reach the cave temple and return to the base camp the same day after completing the journey. Due to security reasons, no helicopter service is available for pilgrims this year. The Amarnath Yatra began on July 3 and will conclude after 38 days on August 9, which is the day of Shravan Purnima and Raksha Bandhan. Shri Amarnath Ji Yatra is one of the most sacred religious pilgrimages for the devotees, as the legend goes that Lord Shiva revealed the secrets of eternal life and immortality to Mata Parvati inside this cave.

Rain in Delhi-NCR cleans the air, AQI of many areas is better than hill stations

Noida/Delhi, July 15 (RNS). Due to the continuous rain in Delhi NCR for the last few days, people have got relief from heat on one hand and poisonous air on the other. According to the Central Pollution Control Board, there are many areas in Delhi where the AQI is better than many hilly areas. The drizzling rain for the last few days has not only brought down the temperature but has also made the air quality very good. According to data on the Central Pollution Control Board (CPCB) website, the Air Quality Index (AQI) remained in the 'good' category in many areas of Delhi, Noida and Ghaziabad as of the morning of July 15. The AQI in Delhi's Alipur was 32, while Anand Vihar and Karni Singh Shooting Range recorded an AQI of 43. Other major areas such as Ashok Vihar (42), Bawana (44), Burari Crossing (41), and Chandni Chowk (40) also recorded air quality in the very good category. The average AQI of the capital was around 40, which can be considered better than many hill stations of the country. Talking about Noida, the AQI in Sector 125 was 41, in Sector 1 it was 35, while in Sector 62 the AQI was 62, which falls in the 'satisfactory' category. At the same time, AQI was recorded at 50 in Knowledge Park-III and 64 in Knowledge Park-III of Greater Noida. The situation in Ghaziabad was also very good. AQI was recorded at 37 in Indirapuram, 41 in Sanjay Nagar and 38 in Vasundhara. Overall, AQI in most areas of Delhi-NCR remains between 30 to 50, which is an indication of clean air and better environment. According to the forecast of the India Meteorological Department (IMD), there is a possibility of thunderstorms and rain every day in Delhi-NCR from July 15 to July 20. From July 15 to 18, the maximum temperature is likely to remain between 32 to 34 degrees Celsius, while the minimum temperature will be around 25 degrees. However, the humidity level in the air will remain between 85 percent to 90 percent these days, due to which the problem of humidity may persist. Rain and thundershowers are also expected on July 19 and 20. The temperature may rise slightly on these two days to a maximum of 35 degrees and a minimum of 26 degrees.

The government woke up after the Ahmedabad plane crash, ordered mandatory checking of engine fuel switches of all aircraft

New Delhi, After the preliminary investigation report of the horrific Air India plane crash in Ahmedabad came out, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has issued a big and mandatory order. DGCA has directed mandatory inspection of the engine fuel switch of all aircraft registered in the country. All airline companies will have to complete this inspection by July 21, 2025. This tough step has been taken after the preliminary report released by the Aircraft Accident Investigation Bureau (AACC) on Saturday, in which a fault in the fuel switch was suspected to be the reason behind the Ahmedabad accident. On June 12, Air India flight number 171 (from Ahmedabad to London) had just taken off when it crashed and collided with a building. In this horrific accident, all 260 people on board the plane died a painful death. There was a shocking revelation in the investigation report According to a 15-page preliminary report released by the IAF, one pilot was heard asking the other in the cockpit voice recorder (CVR) why he had switched off the fuel, to which the other pilot denied having done so. This led to strong suspicions that the fuel supply to both the engines of the aircraft was suddenly cut off, causing the plane to crash in just 32 seconds. strict instructions from the state In its order, the ICMR has said that this investigation should be done as per the Airworthiness Directives issued by the aircraft manufacturer. The regulator said that many airline operators have already started the investigation, but all have to ensure that this process is completed by the deadline of July 21. Meanwhile, Air India CEO has urged everyone to avoid drawing any conclusions until the investigation is completed, as the preliminary report has not given any definite cause of the crash nor made any recommendations.

Citizens should understand the value of freedom of speech and control themselves: Supreme Court

New Delhi, The Supreme Court made a very important comment on freedom of expression and said that citizens should understand the value of their freedom of speech and expression and along with this they should follow self-control and restraint. Expressing concern over the increasing divisive and hate-mongering tendencies on social media, the court clarified that it does not want censorship, but wants people to take responsibility themselves. A bench of Justices B.V. Nagarathna and K.V. Vishwanathan said, no one wants the state (government) to interfere in such matters. Therefore, it is important that people take responsibility themselves and do not say anything on social media or other forums that spreads tension in society. Freedom of expression is not unlimited Emphasizing the need to maintain the spirit of brotherhood among citizens, the court said that in today's era when separatist ideas are spreading rapidly, citizens should speak very thoughtfully. The bench said, we are not against freedom of expression, but reasonable limits have already been imposed on it in the Constitution and people should follow these limits. The Supreme Court made this remark while hearing a petition filed by a person named Wajahat Khan, who has FIRs registered against him in several states for posting objectionable posts on social media against a Hindu goddess. Khan had sought clubbing of all these FIRs together and seeking relief. Wajahat Khan's lawyer argued that he had earlier complained against a social media influencer for making communal remarks, in response to which his old tweets were retrieved and cases were filed against him in Assam, West Bengal, Maharashtra and Haryana. Considering the seriousness of the matter, the court has extended the interim relief from arrest granted to Wajahat Khan till the next hearing. Also, it has sought help from lawyers on this big issue of how to strike a balance between the freedom of expression of citizens and harmony in society.

Supreme Court cannot do everything", former Justice Sanjay Kishan Kaul said on many issues including SIR

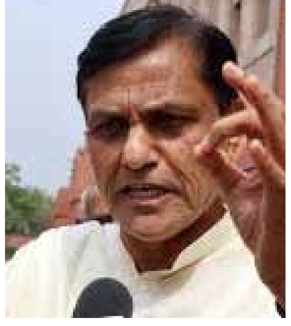

New Delhi, Former Supreme Court Justice Sanjay Kishan Kaul spoke on many issues including reforms in the Indian judicial system and Special Intensive Review (SIR) in Bihar. During this, he also answered the questions raised by the opposition on the Election Commission. He said that the Supreme Court cannot do everything. Former Supreme Court Justice Sanjay Kishan Kaul said on the issue of Special Intensive Review (SIR), I would say that political fights or differences should be resolved in a political way only. The court is not there to solve the problems of politics. Sometimes there is a legal ramification of things and hence many people come together to present their side and here the Supreme Court faces more problems. The Supreme Court should decide which cases it has to hear and which not. There are different institutions for different works, like the Election Commission, which is a constitutional institution. If there is a legal question in any case, then only it should intervene. The Supreme Court cannot make policies or do the work of the Election Commission, but it does the work of check and balance. On the opposition raising questions on the Election Commission, the former Justice said, these are political differences and the middle path has become difficult in today's politics, as people stick to their views. Still, the election system works, because opposition parties win in many states, including Bengal, Tamil Nadu and Kerala. BJP also wins as the ruling party. It cannot be said that 'if I win, it is fine, if I don't win, it is a problem.' Former Justice Sanjay Kishan Kaul said on reforms in the Indian judicial system, there may be some hidden motive behind the Chief Justice's talk of reforms. The biggest problem is the pendency of cases. This can be resolved by appointing sufficient number of judges. One-third of the posts in the High Court are vacant and this number is increasing. The same is the case in lower courts. However, this problem is not there in the Supreme Court. Parliament had introduced the National Judicial Appointments Commission (NJAC), but the Supreme Court rejected it, due to which the government is still entangled in the same issue. A time limit was set for appointments, in which I was also included, but it is not being implemented. For one and a half years, this matter has not even been raised in the court as to why the appointments are stopped.

Asim Ghosh will be the new Governor of Haryana, BJP leader Kavinder Gupta has been given the responsibility of Ladakh

New Delhi, President Draupadi Murmu has appointed governors of two states and lieutenant governors of a union territory. Asim Kumar Ghosh has been appointed governor of Haryana, while former Union Minister Ashok Gajapati Raju has been given the post of governor of Goa. Apart from this, BJP leader from Jammu and Kashmir, Kavinder Gupta has been appointed lieutenant governor of Ladakh. The President's Office has given information about his appointment. This appointment will come into effect immediately. A notification in this regard has been issued by the President's press secretary Ajay Kumar Singh. Kavinder Gupta has been a big leader of Jammu and Kashmir BJP and has also held responsibility as Deputy Chief Minister. Now he has been removed from active politics by making him Lieutenant Governor, but has been sent to Ladakh. The reason for this is that Ladakh used to be a part of Jammu and Kashmir before 2019. Kavinder Gupta has good knowledge about Ladakh's politics, culture and other things. In such a situation, he is being considered a suitable person for the post of LG in Ladakh.

Ban on SIMI continues: Supreme Court dismisses petition challenging tribunal's decision

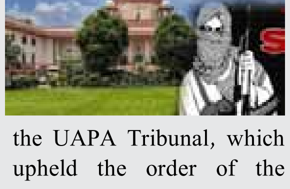

New Delhi, The ban on Students Islamic Movement of India (SIMI) will remain in place for now. The Supreme Court has rejected the petition filed against the order of the tribunal. SIMI had challenged the tribunal's order to extend the ban for five years in the Supreme Court. A bench of Justices Vikram Nath and Sandeep Mehta of the Supreme Court questioned the legality of the petitioner and refused to consider the petition. Petitioner Humam Ahmed Siddiqui challenged the order of the UAPA Tribunal, which upheld the order of the Central Government dated January 29, 2024. The UAPA tribunal had upheld the Indian government's ban on the Students Islamic Movement of India (SIMI) in 2024. The tribunal had said, SIMI is connecting the youth with radical ideology and is active through frontal organizations. The tribunal had also said that SIMI has links with terrorist organizations like Lashkar-e-Taiba and Al-Qaeda. SIMI has been accused of being involved in several terrorist incidents in the country. In January 2024, the Indian government extended the ban on SIMI for another 5 years under Section 3(1) of the Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA) 1967. In an official notification, Ministry of Home Affairs said, SIMI has been banned for the next 5 years vide Gazette Notification No. S.O. 564(E), dated 31st January 2019. Giving information, Home Minister Amit Shah had said, emphasizing Prime Minister Narendra Modi's zero tolerance policy towards terrorism, 'Students Islamic Movement of India (SIMI)' has been declared an 'unlawful organization' for the next 5 years under UAPA. SIMI has been found involved in posing a threat to the sovereignty, security and integrity of India, promoting terrorism, disturbing peace and communal harmony.

Odisha: Congress called for a 'bandh' after the death of a student, Rahul Gandhi blamed the system

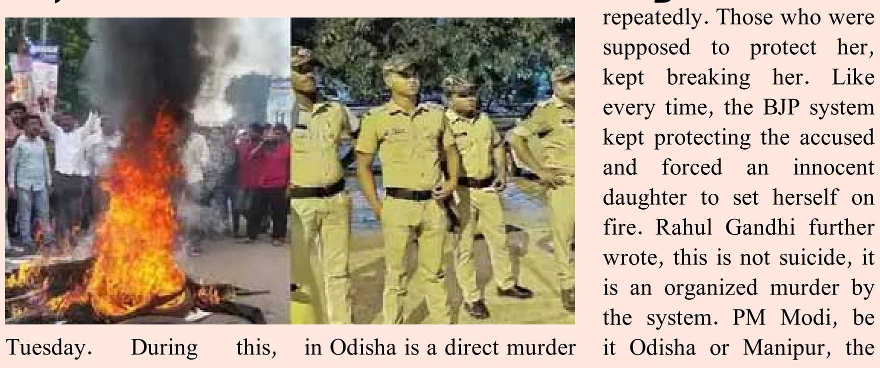

New Delhi/ Bhubaneswar, After the death of a student in Balasore, Congress has called for a statewide bandh in Odisha on July 17. The victim of sexual harassment tried to commit suicide on July 12. Due to her critical condition, the student died three days later. Congress has raised questions on the BJP government of Odisha after the death of the student. Congress state president Bhakta Charan Das and leaders of 8 political parties held a joint press conference at Congress Bhawan on Tuesday. During this, Congress along with 8 other political parties announced a statewide 'bandh' on July 17. On the Balasore incident, Leader of Opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi said that the death of a daughter fighting for justice in Odisha is a direct murder committed by the system. On social media platform X, the Congress MP wrote, that brave student raised her voice against sexual abuse, but instead of getting justice, she was threatened, harassed and humiliated repeatedly. Those who were supposed to protect her, kept breaking her. Like every time, the BJP system kept protecting the accused and forced an innocent daughter to set herself on fire. Rahul Gandhi further wrote, this is not suicide, it is an organized murder by the system. PM Modi, be it Odisha or Manipur, the daughters of the country are burning, breaking down and dying, and you are sitting silent. The country does not want your silence, it wants answers. The daughters of India need security and justice.